हिन्दी साप्ताहिक

वॉयस ऑफ कैपिटल

RN I NO. UPHIN/2019/78747

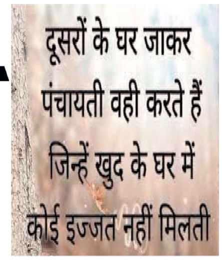

वर्ष– 06 अंक – 18 | लखनऊ, शनिवार 14 दिसम्बर 2024 | मूल्य–1 रुपया | पृष्ठ–8

संक्षिप्त समाचार

पुष्पा 2 के हीरो अल्लू अर्जुन को 14 दिन की जेल, भगदड़ मामले में हुए थे गिरफ्तार

एजेंसी

हैदराबाद। लोकप्रिय तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन को उनकी हाल में प्रदर्शित फिल्म 'पुष्पा 2 द राइज के प्रीमियर के दौरान एक महिला की मौत के मामले में शुक्रवार को हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें 14 दिन की जेल सुनाई गई है। इससे पहले अभिनेता को कड़ी सुरक्षा के बीच उनके आवास से हिरासत में लिया गया और पुलिस वाहन में चिक्कड़पल्ली पुलिस थाने ले जाया गया था। दरअसल चार दिसंबर की रात को बड़ी संख्या में प्रशंसक अभिनेता की एक झलक पाने के लिए संध्या थिएटर में उमड़ पड़े थे। उसी दौरान भगदड़ मचने से 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी और उसका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया था। हैदराबाद पुलिस ने मृतक महिला के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 118 (1) के तहत चिक्कड़पल्ली पुलिस थाने में मामला दर्ज किया है।

मंईयां सम्मान की राशि वापस लेने की तैयारी में हेमंत सरकार, बोले मरांडी, मुख्यमंत्री बनते ही नीयत में आई खोट

एजेंसी

रांची। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर हमला बोला है। बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि मुख्यमंत्री बनते ही हेमंत सोरेन की नियत में खोट आ गई है। चुनाव से पहले बेरोकटोक मुफ्त के रेवड़ी की तरह मंईयां सम्मान योजना की राशि बांटने वाली हेमंत सरकार अब महिलाओं से वसूली की तैयारी कर रही है।बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विभागों को विशेष दिशानिर्देश दिए जा रहे हैं कि येन केन प्रकारेण, योजना का लाभ उठाने वाली महिलाओं का नाम छांटकर लाभुकों की संख्या सीमित रखी जाए। लाभुक सत्यापन के नाम पर महिलाओं को योजना के लाभ से वंचित रखने का प्रयास करने वाली हेमंत सरकार चुनाव के दरम्यान सभी महिलाओं को 2500 रुपए मासिक वित्तीय सहायता देने का दंभ भरते थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद हमले की 23वीं बरसी पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई राजनीतिक हस्तियों ने संसद हमले की 23वीं बरसी पर वीरों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने कहा, ष्उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा मैं उन वीरों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं जिन्होंने 2001 में आज के दिन हमारी संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनका साहस और निस्वार्थ सेवा भाव हमें प्रेरित करता रहेगा। राष्ट्र उनके और उनके परिवारों के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहेगा। इस दिन, मैं आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत के अटूट संकल्प को दोहराती हूं। हमारा देश आतंकवादी ताकतों के खिलाफ एकजुट है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा, 13 दिसंबर 2001 को लोकतंत्र के मां भारती के वीर सपूतों के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। देश

मंदिर संसद भवन पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्र के गौरव की रक्षा करने वाले का कण–कण अपने बहादुर लालों के बलिदान का युगों–युगों तक ऋणी रहेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि लोकतंत्र के मंदिरश संसद भवन पर वर्ष 2001 में हुए कायराना आतंकी हमले को विफल कर मां भारती के मान की रक्षा करने वाले वीर सपूतों को विनम्र श्रद्धांजलि। देश की संप्रभुता और स्वाभिमान को अक्षुण्ण रखने हेतु आपके सर्वोच्च बलिदान के प्रति यह राष्ट्र सदैव कृतज्ञ रहेगा। वहीं, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पोस्ट करते हुए लिखा, संसद भवन पर आतंकवादी हमले का मुंहतोड़ जवाब देकर देश के सम्मान और स्वाभिमान के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले मां भारती के अमर सपूतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जवानों का पराक्रम और बलिदान देश के शौर्य इतिहास में सदैव स्वर्णिम अध्याय के रुप में युवाओं को प्रेरणा देता रहेगा।

संविधान दिवस पर लोकसभा में विपक्षी सांसद विस्तार से अपनी बात रखेंगे : सैयद नासिर हुसैन

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को संविधान दिवस को अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा होगी। दो दिवसीय चर्चा को लेकर देश के दो प्रमुख दलों ने अपने सदस्यों को व्हिप जारी कर दिया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नासिर हुसैन के मुताबिक विपक्ष खुलकर अपनी बात रखेगा। सैयद नासिर हुसैन ने कहा, देखिए, जब हम संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो हमें इस बात पर भी विचार करना चाहिए कि इन वर्षों में इसका कामकाज कैसा रहा है। हमें यह आकलन करने की जरूरत है कि कहां कमियां रहीं और कहां संविधान की ताकत बढ़ी है।

हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं : लोकसभा में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को 14वां दिन है। लोकसभा में संविधान पर चर्चा शुरू हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में संविधान पर बहस की शुरुआत की। यह बहस संविधान को अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक विशेष पार्टी द्वारा संविधान निर्माण के काम को हमेशा हाईजैक करने की कोशिश की गई है। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहता हूं, कि हमारा संविधान किसी एक पार्टी की देन नहीं है। भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा, भारत के मूल्यों के अनुरूप बनाया गया दस्तावेज है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम भारत के लोगों ने, 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान को अपनाया, अधिनियमित किया और राष्ट्र

को समर्पित किया था। यह वह दिन था, जब भारत के लोग 'प्रजा' से 'नागरिक' बने थे। ऐसे नागरिक जिनके अपने मौलिक अधिकार थे और उनके पास एक भारतीय नागरिक होने का गौरव था। ऐसे लोग अपनी सरकार चुन सकते थे और सरकारों को बदल सकते थे। अब देश में राजा–रानी का शासन नहीं था। राजतंत्र और ब्रिटिश तंत्र नहीं था, बल्कि जनता का शासन था और लोकतंत्र था। संविधान को अंगीकार करने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, इस सदन और समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही भारत की आजादी और भारत के संविधान निर्माण से जुड़े सभी महानुभावों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं और उन सभी को शीश झुकाकर नमन करता हूं।

प्रियंका गांधी का संसद में पहला संबोधन, जानिए किन हकिन मुद्दों पर रखी अपनी बात

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को लोकसभा में अपना संबोधन दिया। यह लोकसभा में प्रियंका गांधी का पहला संबोधन था। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने संबोधन की शुरुआत संविधान से करते हुए कहा कि संविधान ही हमारी आवाज है। संविधान ने हमें चर्चा का हक दिया है। संविधान ने आम आदमी को सरकार बदलने की भी ताकत दी है। वाद–विवाद संवाद की पुरानी परंपरा है। संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि इंसाफ और उम्मीद की ज्योति भी है। हमारा संविधान न्याय की गारंटी देता है। संविधान हमारा कवच है। पिछले 10 सालों में इस सुरक्षा कवच को तोड़ने का प्रयास किया गया है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। प्रियंका गांधी ने कहा, "हमारा स्वतंत्रता संग्राम अपने आप में

अनूठा था। आजादी की लड़ाई भी लोकतांत्रिक थी। जिसमें समाज के हर वर्ग ने हिस्सा लिया था। इस लड़ाई ने देश को एक आवाज दी। यह आवाज हमारे साहस की आवाज थी। इसी की गूंज ने हमारे संविधान को लिखने में अहम भूमिका निभाई। हम सभी लोगों को यह बात समझनी होगी कि संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं है। बाबा अंबेडकर, मौलाना आजाद, जवाहरलाल नेहरू और तमाम नेताओं ने संविधान को बनाने में तमाम साल लगा दिए। हमारा संविधान ने हर भारतीय को एक नई पहचान दी है। हमारी आजादी के लिए लड़ाई ने हमारे अधिकारों के लिए आवाज उठाने की क्षमता दी। जब आवाज उठेगी तो सत्ता को उसके सामने झुकना पड़ेगा। संविधान ने हर किसी को अधिकार दिया कि वो सरकार बना भी सकता है और बदल भी सकता है। प्रियंका ने अपने संबोधन में विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "मेरे सत्तापक्ष के लोग जो बड़े–बड़े दावे और वादे करते हैं। लेकिन, आज तक इन लोगों ने अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया है। संविधान में आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय का वादा है, ये वादा सुरक्षा कवच है, जिसको तोड़ने का काम शुरू हो चुका है। लेटरल एंट्री और निजीकरण के जरिए सरकार आरक्षण को कमजोर करने का काम कर रही है। अगर यह लोग लोकसभा चुनाव में अपेक्षित नतीजे प्राप्त करने में सफल रहते, तो संविधान बदलने का भी काम शुरू कर देते।

सम्पादकीय

ब्रिक्स मुद्रा का सपना और डॉलर विरोधी अभियान ट्रम्प की नयी चिंता

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नौ सदस्यीय ब्रिक्स प्लस देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने की धमकी दी है,यदि वे अमेरिकी डॉलर को एक आम ब्रिक्स मुद्रा से बदलने की कोशिश करेंगे। इसे ट्रम्प की ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा की ब्रिक्स देशों के लिए अलग मुद्रा के प्रस्ताव पर घबड़ाहट ही कहा जायेगा। लूला ने अमेरिकी डॉलर विनिमय दर में उतार–चढ़ाव के प्रति बढ़ती भेद्यता को कम करने के लिए यह प्रस्ताव दिया है। राष्ट्रपति लूला ने पिछले साल अगस्त में जोहानसबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आम ब्रिक्स मुद्रा का प्रस्ताव रखा था। हाल ही में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कजान (रूस) में आयोजित नवीनतम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एक नयी अंतरराष्ट्रीय भुगतान प्रणाली का आह्वान करते हुए कहा कि श्डॉलर का उपयोग एक हथियार के रूप में किया जा रहा है।य कजान शिखर सम्मेलन ने वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को बढ़ावा देने की ब्रिक्स की महत्वाकांक्षा और विशेष रूप से वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली में एक वैकल्पिक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को आकार देने के इसके उद्देश्य को रेखांकित किया। जाहिर है, अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा को पेश करने का विचार ट्रम्प को पसंद नहीं आया, जिन्होंने इस विषय पर या भौगोलिक, राजनीतिक, व्यापार और आर्थिक विविधताओं को देखते हुए इस तरह की प्रतिस्पर्धी नयी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने में शामिल जमीनी स्तर की कठिनाइयों के बारे में ज्यादा सोचे बिना ही घबड़ाहट में प्रतिक्रिया व्यक्त की। नौ ब्रिक्स राष्ट्र – ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात–चार महाद्वीपों में फैले हुए हैं। ब्रिक्स देशों में सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली चीन, खुद एक आम ब्रिक्स मुद्रा रखने में दिलचस्पी नहीं रखता है, कम से कम अभी के लिए। चीन की रेनमिनबी अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से महत्व प्राप्त कर रही है, लेकिन उसके द्वारा अमेरिकी डॉलर को प्रभावित करने की संभावना नहीं है, जो दुनिया की मुख्य आरक्षित मुद्रा है जो वैश्विक विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 58 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करती है। चीन अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े कर्जदार देशों में एक है, जिसका अकेले अमेरिकी सरकारी प्रतिभूतियों में करीब 775 बिलियन डॉलर का निवेश है। चीन कई दशकों से अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिभूतियां खरीद रहा है। कई लोगों का मानना है कि ब्रिक्स मुद्रा बनाने का विचार व्यावहारिक से ज्यादा राजनीतिक है। इस परियोजना की अवधारणा बनाना आसान है, लेकिन उचित योजनाओं के साथ इस पर विचार करना आसान नहीं है। इसके लिए बैंकिंग संघ के साथ–साथ राजकोषीय संघ की स्थापना की आवश्यकता होगी। इस प्रणाली से बाहर रहने वाले देशों से निपटने के लिए एक अनुशासनात्मक तंत्र होना चाहिए। इसके लिए एक साझा केंद्रीय बैंक की आवश्यकता होगी। व्यापार असंतुलन एक बड़ी समस्या बन सकता है। नौ ब्रिक्स देशों में से, चीन का व्यापार संतुलन उसके पक्ष में करीब एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। पिछले साल चीन का वैश्विक व्यापारिक अधिशेष करीब 823.2 बिलियन डॉलर था, जिसमें निर्यात करीब 3. 38 ट्रिलियन डॉलर और आयात करीब 2.56 ट्रिलियन डॉलर था। जबकि भारत का व्यापार घाटा 240 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें से लगभग आधा चीन के साथ है। भारत, मिस्र और इथियोपिया आयात पर अधिक और निर्यात पर कम निर्भर हैं, जिससे उनका व्यापार संतुलन घाटे में है। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों का मुख्य व्यापारिक साझेदार चीन है। वे एक–दूसरे के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं। ब्रिक्स देशों की व्यक्तिगत व्यापार, आर्थिक और कूटनीतिक चिंताएं आर्थिक संभावनाओं और भू–राजनीतिक प्रभाव के बीच जटिल अंतर्संबंध को उजागर करती हैं। यह आलोचनात्मक रूप से जांचना महत्वपूर्ण हो सकता है कि ये गतिशीलता स्थापित शक्ति विन्यास और गठबंधनों को कैसे आकार देती है। अभी तक, चीन अमेरिका में निवेश को सुरक्षित और स्थिर मानता है। सैद्धांतिक रूप से, चीन प्रतिशोध ात्मक उपाय के रूप में अपने अमेरिकी ऋण होल्डिंग्स को बेच सकता है, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है क्योंकि बड़ी मात्रा में ऋण का निपटान चीन के लिए जोखिम भी पैदा करेगा। पिछले कुछ वर्षों में, चीन की निर्यात–केंद्रित अर्थव्यवस्था अमेरिका की कीमत पर फली–फूली, जो चीनी माल का सबसे बड़ा आयातक है। 2023 में चीन से आयात में +109 बिलियन की गिरावट के बावजूद, चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा +279.4 बिलियन था। पिछले साल चीन के साथ अमेरिका के व्यापार का कुल मूल्य लगभग +575 बिलियन था। चीन डोनाल्ड ट्रम्प के चार साल के कार्यकाल के दौरान कम व्यापार और निवेश प्रोफाइल बनाये रख सकता है, जो दोनों देशों के बीच शत्रुतापूर्ण व्यापार और आर्थिक संबंधों को समय के साथ कम करने की उम्मीद करता है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग वैकल्पिक वैश्विक वित्तीय और व्यापार प्रणाली के लिए लूला–पुतिन के प्रस्ताव को जल्दबाजी में लेने की संभावना नहीं है। इसके अलावा, राजनीतिक और आर्थिक रूप से परिपक्व चीन पूरी तरह से जानता है कि अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक आरक्षित मुद्रा के रूप में ब्रिक्स मुद्रा को एक साथ रखना अल्प या मध्यम अवधि में संभव नहीं है। संयोग से, चीन की तरह, भारत, दूसरी सबसे बड़ी ब्रिक्स अर्थव्यवस्था, ने अभी तक अमेरिकी डॉलर के लिए एक वैकल्पिक मुद्रा के लिए दबाव नहीं डाला है। हालांकि, वैश्विक व्यापार और वाणिज्य पर पर्याप्त अमेरिकी डॉलर की पकड़ को अस्थिर करने के लिए ब्रिक्स मुद्रा के जल्द ही आने की संभावना से अधिक, अगले अमेरिकी राष्ट्रपति को डी–डॉलरीकरण की प्रक्रिया के बारे में अधिक चिंतित होना चाहिए जो विशेष रूप से यूक्रेन के बाद रूस के खिलाफ अमेरिकी व्यापार और वित्तीय प्रतिबंध ा के बाद जमीन हासिल कर रहा है। रूस कई पश्चिमी यूरोपीय देशों, चीन, सऊदी अरब और यूएई सहित पश्चिमी एशियाई देशों और भारत के साथ ऊर्जा व्यापार में खुशी से लगा हुआ है।

मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर सपा की हार के बाद अब आजम की नाराजगी

अजय कुमार

जेल जाने से पहले तक समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की गिनती यूपी के बड़े मुस्लिम नेताओं के रूप में होती थी। मुलायम सिंह के वह सबसे खास हुआ करते थे। आजम के सहारे ही मुलायम सिंह मुस्लिम वोटरों को लुभाते थे। खासकर पश्चिमी यूपी में तो सपा के लिये आजम की राह पर चलना ही सबसे आसान तरीका समझा जाता था। सत्ता में रहते अखिलेश ने भी आजम को महत्व दिया, लेकिन योगी सरकार के आने के बाद आजम खान पर जब मुसीबतों का पहाड़ टूटा तो अखिलेश ने आजम को एक तरह से अकेला ही छोड दिया। जब तमाम नेता आजम से मिलने जेल पहुच जाया करते थे तब अखिलेश के मन में सीतापुर जेल में बंद अपने इस मुस्लिम नेता के प्रति वफादारी का भाव नहीं दिखा। यहां तक की अखिलेश द्वारा आजम के गृह जिला रामपुर के बारे में भी सियासी फैसले में उन्हें अनदेखा किया जाने लगा। इतना सब होते हुए भी आजम ने अखिलेश के खिलाफ कभी सार्वजनिक मंच से कोई बयान तो नहीं दिया,लेकिन दोनों नेताओं के बीच दूरियां सबको दिखने लगी थीं। जिस तरह से रामपुर में लोकसभा का टिकट आजम की बिना मर्जी के दिया गया और संभल के सांसद पर एफआईआर को सपा ने प्रमुखता दी, उससे कहीं न कहीं आजम का सब्र जबाव दे गया। क्योंकि अखिलेश की अनदेखी ने आजम के गृह जनपद रामपुर के साथ–साथ पश्चिमी यूपी में उनके सियासी अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है।उत्तर प्रदेश की नौ विधान सभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जिस तरह से समाजवादी पार्टी को मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था,उसके बाद आजम की नाराजगी सपा प्रमुख के लिये मुसीबत का सबब बन सकता है। मुसलमानों को बीच अपनी सियासी जमीन खिसकती देख आजम ने अब दबाव की राजनीति शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि यदि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जेल में बंद अपने इस नेता को महत्व नहीं दिया तो अब आजम खान नई राह भी पकड़ सकते हैं, लेकिन आजम के लिये अलग होने की राह इतनी आसान नहीं है। क्योंकि इस बढ़बोले नेता को कोई बड़ी पार्टी अपने साथ नहीं लेना चाहती है। वैसे भी संभल पर सपा और कांग्रेस के बीच सियासी दरार पड़ती नजर आ रही है तो जेल में सजा काट रहे आजम खां ने इंडिया गठबंधन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। रामपुर के सपा जिला अध्यक्ष अजय सागर ने आजम के सियासी संदेश को पत्र के जरिये लोगों के सामने रखा है। आजम के हवाले से पत्र में इंडिया गठबंधन पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। कहा है कि मुसलमानों पर इंडिया गठबंधन को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा मुस्लिमों को भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आजम ने यह भी कहा कि रामपुर में हुए जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाया जाना चाहिए, जितना संभल का मुद्दा उठाया गया। रामपुर के जुल्म और बर्बादी पर इंडिया गठबंधन खामोशी तमाशाई बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम करता रहा। बता दें कि लोकसभा चुनाव में आजम चाहते थे कि रामपुर से खुद अखिलेश यादव चुनाव लड़ें। आजम वहां किसी मुस्लिम नेता को पैर जमाने देना बिल्कुल भी नहीं चाहते थे लेकिन सपा ने वहां से मोहिब्बुल्लाह को टिकट दिया और वे जीत भी गए। सपा सूत्र बताते हैं कि रामपुर के लोकसभा टिकट ने आजम की सपा नेतृत्व से दूरियां बढ़ाईं। आजम को यह भी महसूस हो रहा है कि उनके मामले को सड़क से संसद तक उतनी प्रमुखता से नहीं उठाया गया, जितनी संभल के प्रकरण को तरजीह दी गई। बहराल, यूपी में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद ही आजम खान पर सियासी ग्रहण छाया हुआ है। आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान जेल में नहीं बल्कि सजा होने के चलते अपनी–अपनी सदस्यता भी गंवा चुके हैं. इसके अलावा उपचुनाव में रामपुर और स्वार टांडा सीट भी आजम परिवार के पकड़ से बाहर निकल चुकी है। आजम खान के समर्थकों को भी लगता है कि सपा और अखिलेश यादव ने उनकी लड़ाई को मजबूती से नहीं लड़ा। इसके अलावा आजम खान की मर्जी के बगैर रामपुर लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने प्रत्याशी उतारा था, जितने जीत के बाद से आजम खान पर ही निशाना साधा था। जबकि जेल में बंद आजम खान से लोकसभा चुनाव के बाद से सपा का कोई बड़ा नेता मिलने नहीं गया। कुंदरकी में उपचुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने जरूर रामपुर में आजम खान के परिवार से मुलाकात की थी, लेकिन जिस तरह आजम ने संभल के बहाने रामपुर और मुस्लिम सियासत को लेकर सवाल खड़े किए हैं, उसके चलते माना जा रहा है कि यूपी की सियासत में कोई नई खिचड़ी पक रही है। सबसे खास यह है कि अखिलेश यादव अपने इस मुस्लिम नेता को वैसे नहीं 'पचा' पा रहे हैं जैसे उनको नेताजी मुलायम सिंह यादव हैंडिल कर लिया करते थे। यह सच है कि कई बार आजम और मुलायम के रिश्ते की खटास देखने को मिल जाती थी, लेकिन दोनों एक दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंच से कुछ नहीं कहते थे।

बहुमत की इच्छा से आखिर क्यों नहीं चलेगा देश? कोई समझाएगा जनमानस को!

कमलेश पांडे

कहते हैं कि जो राजा या शासन पद्धति जनभावनाओं को नहीं समझ पाते हैं, रणनीतिक रूप से अकस्मात गोलबंद किए हुए उग्र लोगों के द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं। मुगलिया सल्तनत से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य का हश्र हमारे–आपके सामने है। वहीं, एक बार नहीं बल्कि कई दफे हुआ पारिवारिक लोकतांत्रिक सत्ता का पतन भी आप सबके सामने हैं, जबकि इसको यथावत बनाए रखने के लिए कथित धर्मनिरपेक्षता व जातिवाद की आड़ लेकर क्रमशः अल्पसंख्यक और आरक्षण जैसे पक्षपाती विचारों का भी पालन–पोषण किया गया तथा तुष्टीकरण की नीतियों तक को बेहिसाब बढ़ावा दिया गया। फिर भी हश्र सबके सामने है। वैश्विक और भारतीय परिस्थिति भी अब इस बात की चुगली कर रही है कि इन्हें शह देने वाले संविधानों व उस पर आधारित कुछ अतिवादी कानूनों का भी देर–सबेर कुछ यही हश्र होने वाला है, आज नहीं तो निश्चय कल! साथ ही उस बनावटी लोकतंत्र का भी, जो पूंजीवादी देशों की रखैल बन चुकी है, क्योंकि वे इसका मनमाफिक दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों को दूरदर्शिता दिखानी होगी, और पाकिस्तान–बांग्लादेश समेत अन्य इस्लामिक देशों के बदलते प्रशासनिक घटनाक्रमों से सबक लेना होगा, अन्यथा भारत को भी आतंकवादी ताकतें उसी तरह से नष्ट कर देंगी, जैसे उदाहरण इस्लामिक देशों में भरे पड़े हैं। अलबत्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के शहिंदूवादी जजश जस्टिस शेखर कुमार यादव के श्बहुमत से चलेगा देशश जैसे स्पष्टवादी बयान को भी उपर्युक्त नसीहतों की कसौटी पर ही कसा जाना चाहिए। अन्यथा संसद और सुप्रीम कोर्ट की श्मनमर्जीश (षडयंत्रकारी धर्मनिरपेक्षता/पंथनिरपेक्षता के संदर्भ में) भारत को भी श्अशांत इस्लामिक मुल्कश बना देगी, जो हमारे कतिपय धर्मनिरपेक्ष दलों का अघोषित सियासी एजेंडा है, जिससे समय रहते ही सावधान हो जाने की जरूरत है। यदि भारत के विद्वान न्यायाधीश, अधिवक्ता, प्रोफेसर, राजनेता, पत्रकार और बुद्धिजीवियों के समूह इस तथ्य को अब और नजरअंदाज करेंगे तो अशांत मुल्क के रूप में अगला नम्बर हमारे देश का ही होगा। जिसके ट्रेलर मोदी काल में जहां तहां विपक्ष के इशारे पर दिखाई भी दे रहे हैं। देखा जाए तो विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक बौद्धिक व राष्ट्रवादी प्रोग्राम 'समान नागरिक संहितारू एक संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के शहिंदूवादी जजश जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए श्विवादित बयानश पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा संज्ञान लिया जाना उचित है, लेकिन इसकी सांगोपांग व्याख्या से पहले वह अपने पड़ोसी देशों के हश्र भी देख ले, जहां भारत को कमजोर करने वाले अमेरिकी और चीनी एजेंडे के अनुगामियों ने, उग्रपंथियों ने वहां की धर्मनिरपेक्ष सरकारों को अपदस्थ कर दिया और हिंदुओं पर नाना प्रकार के जुल्म कर रहे हैं। उनकी घटती आबादी इसका सबूत है। जबकि भारत की उदारवादी संसदीय नीतियों और उनकी सुप्रीम व्याख्या की अदूरदर्शिता से यहां की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ी है, बेरोजगारी और भरण–पोषण का संकट उत्पन्न हुआ है और कानून के उस शासन को भी अब कथित श्भीड़तंत्रश के द्वारा जगह–जगह चुनौती मिल रही है। इस सूरतेहाल पर हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट की किंकर्तव्यविमूढ़ता भी जनहित के नजरिए से सवालों के घेरे में है, क्योंकि शांतिपूर्ण तरीके से जीना अब इस देश में भी मुहाल होता जा रहा है, इस्लामिक देशों की तरह। ऐसा इसलिए कि दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में रहती है और इन्हें शिक्षित करने और उग्रपंथी विचारों से अलग रखने में हमारा प्रशासन बुरी तरह से विफल प्रतीत हुआ है।

विभागाध्यक्ष की सहमति, सिंचाई चालकों का आन्दोलन स्थगित

संवाददाता

लखनऊ। संघ द्वारा प्रेषित अनुस्मारक पहुचते ही विभागाध्यक्ष ने संघ के पदाधिकारियों से वार्ता कर उन्हें एक घन्टे में संतुष्ट कर दिया। विभागाध्यक्ष ने उनकी सभी प्रमुख चार मांगों पर तत्काल मुख्य अभियंताओं को उक्त समस्याओं के समयबध्द निस्तारण के आदेश दिए। यही नही वार्ता के एक घन्टे बाद कार्यवृत्ति जारी कर दी गई। चालक संघ के अध्यक्ष शकील अहमद ने तत्काल 17 दिसम्बर को कार्यालय प्रमुख अभियंता विभागाध्यक्ष सिंचाई एवं जल संसाधन कार्यालय का घेराव प्रान्तीय धरने को स्थगित करने का निर्णय लिया। वार्ता में इं. अखिलेश कुमार सचान य प्रमुख अभियंता विभागाध्यक्ष सिंचाई एवं जल संसाधन, इं. संदीप कुमार, वरिष्ठ स्टाफ अफसर इं. लाल चंद और संघ प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद, संगठन मंत्री कैलाश साह, संतोष कुमार पाण्डेय, मो. गुलाम कादिर मौजूद थे। संघ द्वारा बताया गया कि वार्ता के दौरान प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा संगठन की मांग पर एक सप्ताह के अन्दर समस्त मुख्य अभियन्ताओं से उपलब्ध वाहनों के सापेक्ष रिक्त पदों की सूचना प्राप्त कर अग्रेतर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ताओ को निर्देशित किया गया है कि अपने अधीनस्थ खण्डीय कार्यालयों में समुह घ के पद से वाहन चालक के पद पर पदोन्नति का 20 प्रतिशत का कोटा अतिशीघ्र भरा जाये। इस सम्बन्ध में सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ताओं को पत्र जारी किया जायेगा। जिन कर्मचारियों की वाहन चालक के पद पर पदोन्नति की जानी है। अपने स्तर से पदोन्नित की कार्यवाही पूर्ण कर इस कार्यालय को सूचित करें। प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया है कि अबतक कितने वाहनों की नीलामी हुई है, वर्तमान में कितने शेष है उनकी भी गणना कराकर नीलामी की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा वार्ता के दौरान सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता से दूरभाष निर्देशित किया गया की प्रकरण का गहन जाँच कर शासन के निर्देशानुसार अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें। वाहन क्रय पत्रावली के प्रचलन की स्थिति संघ के संज्ञान में लाई गई। जिसपर संघ द्वारा प्रसन्नता प्रकट की गई है।प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा संघ के पदाधिकारियों से पूछा गया कि इस सम्बन्ध में सम्बन्धित कर्मचारी का नाम बताया जाये जिससे की उनकी समस्याओं के निस्तारण हेतु त्वरित कार्यवाही की जायें। संघ के पदाधिकारी शकील अहमद द्वारा सुनील दत्त शर्मा, वाहन चालक, नलकूप खण्ड बिजनौर बताया गया। जिसपर विभागध्यक्ष द्वारा दूरभाष पर सिविल संगठन के कार्यरत अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि श्री शर्मा की आवास से सम्बन्धित समस्या का तत्काल निराकरण कराना सुनिश्चित करें। अन्त में प्रमुख अभियनता एवं विभागध्यक्ष द्वारा राजकीय वाहन चालक संघ के पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक समाप्त की गई।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष से मिले व्यापारी,महिला व्यापारियों की समस्याओं को लेकर चर्चा

संवाददाता, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में व्यापारी समाज का एक प्रतिनिधिमंडल आज पूर्व मेयर प्रत्याशी अजय त्रिपाठी ष्मुन्नाष के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव से मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महिला आयोग की उपाध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान उन्हें शॉल एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस मौके पर व्यापारियों ने महिला आयोग की उपाध्यक्ष से महिला व्यापारियों की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने महिला सुरक्षा और महिला विकास की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के जरूरी कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर अजय राजेश सोनी, अजय अवस्थी, तारा चंद्र रावत, राज किशोर साहू, वीपी सिंह, जितेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गाइडलाइंस लागू करने हजरतगंज पहुंची एलडीए टीम,बड़े बोर्ड हटाने के निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। फसाड कंट्रोल गाइडलाइंस लागू करने के लिए एलडीए और प्रशासन की टीम हजरतगंज पहुंची है। हेरिटेज जोन हजरतगंज की दुकानों पर लगे बड़े–बड़े बोर्ड हटाने के निर्देश दिए गए हैं। हेरिटेज जोन में आने वाली दुकानों के बाहर लगे साइन बोर्ड के मानक शासन द्वारा तय किए नियम पर ही लगाना है। इसमें 300 एमएम अक्षरों का साइज, अक्षरों पर सफेद रंग का प्रयोग होगा। बैनर का बैकग्राउंड में काला करना होगा। इसके अलावा भी कई अन्य नियम भी हैं। दुकानों के बाहर लगे बोर्डो का स्टेंडर्ड साइज तय 750 एमएम तय किया गया है।

मुस्लिमों की संपत्तियां लूटी जा रही है, संसद में बोले अखिलेश यादव, हर मस्जिद के अंदर मंदिर खोजे जा रहे हैं

संवाददाता

लखनऊ। संविधान दिवस के मौके पर शुक्रवार को संबोधन करने के दौरान अखिलेश यादव ने प्रदेश की हालात पर चिंता जताते हुए कहा है कि चुनावों में लोगों को वोट डालने से रोका गया, महिलाओं पर पिस्टल तानी गई। मुस्लिमों की संपत्ति को लूटी जा रही है। अब हर मस्जिद के अंदर मंदिर खोजा जा रहा है।अखिलेश ने कहा कि कानून की हर जगह धज्जियां उड़ रही है। न्याय मांगने के लोग आत्मदाह कर रहे हैं, सीएम आवास पर आत्मदाह कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि हमारा प्रदेश महिलाओं के उत्पीड़न में आगे जा रहे है, साइबर क्राइम में यूपी आगे है। यूपी में पेपर जानबूझ कर पेपर लीक कराएं जाते हैं ताकि आरक्षण न देना पड़े। उन्होंने अग्निवीर को नाकरते हुए कहा कि कभी सरकार बदलेगी तब हम फिर से पहले वाली व्यवस्था लाएंगे ताकि देश की सीमा और मजबूत हो सके।

एएमयू फैकल्टी को मोल्ड क्लैम्पिंग डिवाइस के लिए पेटेंट प्रदान किया गया

संवाददाता

अलीगढ। भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के एसोसिएट प्रोफेसर शमशाद अली द्वारा किए गए आविष्कार 'मैनुअल इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन के लिए मोल्ड क्लैम्पिंग डिवाइस' के लिये पेटेंट प्रदान किया है। अली ने बताया है कि बाजार में कई व्यावसायिक रूप से उपलब्ध मोल्ड क्लैम्पिंग डिवाइस हैं और पॉलिमर को प्रोसेस करके विभिन्न भागों का उत्पादन करने के लिए कई इंजेक्शन मशीनें भी उपलब्ध हैं। हाथ से संचालित मशीनों का उपयोग लघु उद्योगों में छोटे उत्पादों के निर्माण के लिए भी किया जाता है और हाथ से संचालित और साथ ही बिजली से संचालित इंजेक्शन मोल्डिंग मशीनों में विभिन्न प्रकार के मोल्ड क्लैम्पिंग उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जिसमें नट और स्क्रू प्रकार की क्लैम्पिंग प्रणाली भी शामिल है, जो अधिक समय और मेहनत लेती है। उन्होंने कहा कि इस आविष्कार का उद्देश्य मैनुअल इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन के लिए एक मोल्ड क्लैम्पिंग डिवाइस प्रदान करना है, जिसका डिजाइन सरल है और इसे चलाना आसान है और मोल्ड को बंद करने और खोलने का समय कम करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके मोल्ड क्लैम्पिंग डिवाइस में एक एक्सेंट्रिक और एक फॉलोअर शामिल है जो मोल्ड को खोलने या बंद करने के लिए रैम को सक्रिय करता है। एक्सेंट्रिक और फॉलोअर के बीच एक बल बंद जोड़ी बनाने के लिए एक संपीड़न स्प्रिंग का उपयोग किया जाता है।

25 हजार का इनामी बदमाश अमित रस्तोगी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, साथी फरार

संवाददाता

लखनऊ। डीसीपी उत्तरी की क्राइम टीम और बीकेटी पुलिस ने एक संयुक्त ऑपरेशन में बड़ी सफलता हासिल की है। दो दर्जन से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित और 25 हजार के इनामी बदमाश अमित रस्तोगी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान अमित रस्तोगी घायल हो गया, जबकि उसका साथी राहुल गौतम मौके से फरार होने में कामयाब रहा। बीकेटी थाना क्षेत्र के अस्ति रोड मोड़ पर डीसीपी उत्तरी की क्राइम टीम प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह और बीकेटी थाना प्रभारी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुख्यात बदमाश अमित रस्तोगी इस क्षेत्र में अपने साथी के साथ किसी अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहा है। पुलिस टीम ने जैसे ही अमित रस्तोगी को घेरने की कोशिश की, बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अमित रस्तोगी को गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। गिरफ्तार अमित रस्तोगी के पास से एक देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल और अन्य संदिग्ध सामान बरामद किया गया है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि वह इन हथियारों और वाहनों का इस्तेमाल किन आपराधिक गतिविधियों में कर रहा था। डीसीपी उत्तरी की नजरों से बचता रहा था और कई मामलों में वांछित था। पुलिस अब अमित रस्तोगी के फरार साथी राहुल गौतम की तलाश में जुट गई है। डीसीपी उत्तरी ने बताया कि फरार अपराधी को पकड़ने के लिए जगह–जगह छापेमारी की जा रही है। डीसीपी उत्तरी और बीकेटी पुलिस की इस कार्रवाई ने यह साबित किया है कि कानून से बड़ा कोई नहीं है। यह कार्रवाई लखनऊ पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कुख्यात अपराधियों के खिलाफ पुलिस की ऐसी त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में डर और जनता में सुरक्षा की भावना पैदा होती है। अब देखना होगा कि अमित रस्तोगी और उसके फरार साथी से जुड़ी जांच और क्या खुलासे करती है।

क्राइम टीम और बीकेटी पुलिस की इस कार्रवाई को एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। क्राइम टीम प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह और बीकेटी थाना प्रभारी की सूझबूझ और सतर्कता से इस खतरनाक अपराधी को पकड़ा जा सका। अमित रस्तोगी के खिलाफ लूट, हत्या के प्रयास, अपहरण, अवैध वसूली और हथियारों की तस्करी समेत 24 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से पुलिस की

बिजली कर्मचारियों का निजीकरण विरोधी दिवस मना

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत पूरे देश में बिजली कर्मी 13 दिसंबर को निजीकरण विरोधी दिवस के रूप में मना रहे हैं। बिजली विभाग के मुख्यालय शक्ति भवन सहित कई विद्युत केंद्रों पर निजीकरण के विरोध में नारेबाजी की गई शक्ति भवन पर नारेबाजी करते हुए विद्युत कर्मियों ने कहा कि निजीकरण पर जिनका खून

न खोले वह खून नहीं पानी है, आवाज दो हम एक हैं, इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाकर सभी को संगठित होकर विरोध करने की अपील की है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि उप्र और चंडीगढ़ में निजीकरण के विरोध में देश भर मे बिजली कर्मचारियों ने निजीकरण विरोधी दिवसष मनाकर विरोध दर्ज किय। बिडिंग प्रक्रिया शुरू होते ही राष्ट्रव्यापी विरोध होगा। प्रबंधन कर्मचारियों को गुमराह न करे। बिडिंग के पहले आरएफपी डॉक्यूमेंट जारी करे तो निजीकरण के घोटाले का हो जाएगा खुलासा। संघर्ष समिति ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन पर आरोप लगाया है कि प्रबंधन कर्मचारियों को गुमराह कर रहा है और भय का वातावरण बनाकर ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बना रहा है। संघर्ष समिति ने चेतावनी देते हुए कहा कि पहले आरएफपी डॉक्यूमेंट का ड्राफ्ट जारी किया जाए। इससे निजीकरण के खतरों का अपने आप खुलासा हो जाएगा। इस दौरान बिडिंग होते ही बड़े प्रदर्शन का दावा किया गया है। राजधानी लखनऊ के शक्ति भवन में अभियंता संघ के अध्यक्ष जितेंद्र गुर्जर के नेतृत्व ने नारेबाजी की है। इसके साथ ही बिजली के निजीकरण के विरोध में मुम्बई, कोलकाता,चेन्नई, बेंगलुरू, हैदराबाद, त्रिवेंद्रम, विजयवाड़ा, गुवाहाटी, नागपुर, रायपुर, जबलपुर, भोपाल, शिमला, जम्मू, श्रीनगर, देहरादून, चंडीगढ़, पटियाला, रांची, आदि स्थानों पर बड़े प्रदर्शन हुए। उप्र की राजधानी लखनऊ सहित समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर विरोध सभाएं की गई। प्रदेश के 42 जिलों में बिजली वितरण के निजीकरण की घोषणा कर बिजली कर्मियों को परेशान किया जा रहा। अनावश्यक रूप से ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण बना दिया है। बिजली कर्मी अभी भी पूरी मेहनत से कार्य कर रहे हैं और निजीकरण के विरोध में सभी ध्यानाकर्षण कार्यक्रम कार्यालय समय के उपरांत कर रहे हैं जिससे बिजली व्यवस्था पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े और उपभोक्ताओं को कोई दिक्कत ना हो।

मलिहाबाद तहसीलदार ने भेजा राज्यपाल को नोटिस,राजभवन की आपत्ति पर कलेक्ट्रेट में हड़कंप

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद तहसील से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के नाम एक नोटिस भेजा गया है। 11 दिसंबर को स्पीड पोस्ट के जरिए पहुंची नोटिस पर राज भवन ने कड़ी आपत्ति जताई है। साथ ही संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नोटिस के बाद राज भवन की ओर से लखनऊ कलेक्ट्रेट को लेटर भेजा गया है, जिससे कलेक्ट्रेट में हड़कंप मच गया। तत्काल मलिहाबाद तहसील से नोटिस की जानकारी मांगी गई। वहां के तहसीलदार का दावा है कि किसी ने शरारत की है। तहसीलदार मलिहाबाद विकास सिंह ने बताया कि यह नोटिस हाथ से तैयार की गई है, इसकी भाषा शैली भी अलग है। इसे जानबूझकर साजिश के तहत राज भवन भेजा गया, जांच की जा रही है। नोटिस में मीरा पाल बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले का जिक्र किया गया है। यह केस बेदखली से जुड़ा है। राज्यपाल को भेजा गए नोटिस पर तहसीलदार कोर्ट के पेशकार गंगाराम मौर्य के हस्ताक्षर हैं। वहीं, तहसीलदार का कहना है कि नोटिस की भाषा ही फर्जी है। 11 दिसंबर को यह नोटिस राज भवन पहुंचा। 12 दिसंबर को राज भवन ने इसे खारिज किया। साथ ही कहा कि इस प्रकार की शरारत दोबारा न हो। इतना ही नहीं आर्टिकल 361 का हवाला देते हुए कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए हैं। राज भवन का लेटर 13 दिसंबर को कलेक्ट्रेट पहुंचा। इसके बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। तहसीलदार मलिहाबाद ने बताया कि फाइलों और दस्तावेज की जांच की जा रही है। इसके अलावा नोटिस बनाने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए हैंडराइटिंग का मिलान किया जाएगा। इस प्रकार की साजिश प्रशासनिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले अक्तूबर 2023 में भी यूपी की राज्यपाल के नाम तहसीलदार ने नोटिस भेजा था। तब, वह नोटिस बदायूं जिले के सदर तहसील से भेजा गया था। उस नोटिस में राज्यपाल को ही कोर्ट में हाजिर होने का फरमान सुना दिया गया था। तब राज्यपाल के सचिव ने जिलाधिकारी से नोटिस के बारे में सवाल–जवाब किए थे। संविधान में आर्टिकल 361 में प्रावधान है कि संवैधानिक पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ नोटिस नहीं भेजा जा सकता है। इस मामले में भी राज भवन ने आर्टिकल 361 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सीएम आवास से कुछ दूरी पर ट्रक पलटा,चालक और क्लीनर घायल

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र के बंदरियाबाग चौराहे पर भीषण एक्सीडेंट हो गया। सीएम आवास से कुछ दूर पर हुए हादसे में ट्रक चालक और क्लीनर गंभीर घायल हो गए हैं। घटना गुरुवार देर रात की है। ट्रक में 34 टन लोड था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि 18 टायरा ट्रक मोड़ते समय अनियंत्रित होकर पलट गया है। ट्रक उत्तराखंड से आंध्रप्रदेश जा रहा था। तेज रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण खोने की वजह से यह दुर्घटना हुई है। ट्रक के पलटने से सड़क पर जौ बिखर गया। काफी देर दक यातायात बाधित रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद ट्रक को हटाने और सड़क को साफ कराने का काम शुरू किया गया। दो क्रेन की सहायता से ट्रक को किनारे कराया गया।

थर्मल ड्रोन से रखी जाएगी बाघ पर नजर,पिंजरा और ट्रैप कैमरे फेल हुए, सीएफओ ने कहा, कॉम्बिंग तेज की जाए

संवाददाता

लखनऊ। रहमान खेड़ा में संभावित बाघ का मूवमेंट ट्रेस करने के लिए थर्मल ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। फोटो ट्रैप कैमरे में बाघ की मूवमेंट कैद नहीं हो पाई है। इसके बाद ड्रोन मंगाने का निर्णय लिया गया। रहमान खेड़ा स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के जंगलों में टाइगर को ट्रैप करने की अब तक की कोशिश नाकाम हुई है। शुक्रवार को वन विभाग के कॉम्बिंग ऑपरेशन का जायजा लेने मुख्य वन संरक्षक (सीएफओ) रेणु सिंह और जिला वन संरक्षक (डीएफओ) डॉ. सितांशु पांडेय भी पहुंचे। सीएफओ रेणु सिंह और डीएफओ डॉ. सितांशु पांडेय दोपहर डेढ़ बजे केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान पहुंचे। यहां से बेल ब्लॉक के जंगलों में गए। यहां बाघ नीलगाय को मार कर खा गया था। अधिकारियों ने यहां बाघ के पग चिह्न भी देखे। मुख्य वन संरक्षक रेणु सिंह ने बताया कि बाघ के मूवमेंट पता करने के लिए थर्मल ड्रोन कैमरों को मंगाया गया है। इसकी मदद से बाघ के मूवमेंट वाले इलाके में निगरानी की जाएगी। वन विभाग ने शिकार वाली जगह से 100 मीटर की दूरी पर गुरुवार को पिंजरा लगाया था। इसमें बकरी भी बांधी थी, लेकिन बाघ रात में इस ओर नहीं आया। वन विभाग को बाघ के ताजे पग चिह्न नहीं मिले हैं। विभाग की ओर से शिकार के आसपास और पग मार्क वाली जगहों पर सात फोटो ट्रैप कैमरे लगाए गए थे। इन कैमरों में भी बाघ या किसी हिंसक जानवर की मूवमेंट कैद नहीं हुई। सीएफओ रेणु सिंह ने संस्थान में काम करने वाले मजदूरों ओर कर्मचारियों को सतर्क रहने की सलाह दी। वहीं ग्रामीणों से रात में घर से निकलने के लिए मना किया। वन अधिकारियों ने करीब डेढ़ घंटे तक बाघ के मूवमेंट वाली जगह का निरीक्षण किया। अधिकारियों को गंभीरता से कॉम्बिंग करने के आदेश दिए।

जज के ड्राइवर ने लगाई फांसी

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जज के ड्राइवर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। वह गुरुवार की रात भोजन के बाद अपने कमरे में गया। कुछ देर बाद बहन ने कमरे में देखा तो उसकी चीख निकल गई। उसका भाई लोहे के एंगल के सहारे फांसी पर लटका था। घटना डालीबाग इलाके की है। परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां के डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर डेडबॉडी परिजनों को सौंप दी है। डालीबाग में डीजीपी आवास के सामने रहने वाला शनि कश्यप (28) पुत्र प्रताप कश्यप एक जज की गाड़ी चलाता था। भाई शुभम ने बताया कि गुरुवार को ड्यूटी से लौटने के बाद शनि ने सबसे अच्छी तरह से बातचीत की। साथ में बैठकर खाना खाया। इसके बाद अपने कमरे में चले गए और मोबाइल चलाने लगे। कुछ देर बाद छोटी बहन कोमल उन्हें देखने गई तो

शनि कश्यप, मृतक

कमरे में लगे लोहे के एंगल के सहारे फंदा बनाकर लटके मिले। शनि को लटकता देख बहन तेजी से चिल्लाने लगी। इसके बाद घर में मौजूद बाकी सदस्य भी पहुंचे। यह जानकारी पुलिस को दी गई। पिता प्रताप कश्यप ने बताया कि गुरुवार को बेटी कोमल के लिए बहराइच रिश्ता देखने जाना जाता था। पहले शनि साथ में जा रहा था लेकिन फिर मना कर दिया। इस पर प्रताप अपनी पत्नी के गायत्री के साथ लड़का देखने निकल गए। वहां पर रिश्ता पक्का होने के बाद शनि से बातचीत हुई। इसके आधे घंटे बाद ही उसके फंदे से लटकने के सूचना मिली। फांसी लगाने की असल वजह का पता नहीं चल पा रहा है। शनि की तीन साल पहले शादी हुई थी, लेकिन अभी कोई संतान नहीं है।

आदर्श व्यापारी एसोसिएशन में कंबल और गरम कपड़े बांटेगा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में आदर्श व्यापारी एसोसिएशन इंदिरा नगर इकाई की बैठक संरक्षक जीतेंद्र सिंह के कार्यालय पर आयोजित हुई। बैठक के मुख्य

अतिथि प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी और मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के सीनियर ब्रांच मैनेजर अंबरीश यादव मौजूद रहे थे। बैठक में लखनऊ के विभिन्न इलाकों में गर्म कपड़े और कंबल बांटने का निर्णय लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से आदर्श व्यापारी एसोसिएशन धर्म और जाति से ऊपर उठकर ठंड के मौसम में इस तरह का कार्य करता आ रहा है। इससे जरूरतमंदों को राहत मिल सके। बैठक में मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के अंबरीश यादव ने व्यापारी हित टर्म योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसमें बताया गया कि अगर किसी व्यापारी के साथ दुर्घटना होती है तो उसके परिवार की सुरक्षा और आर्थिक मदद की जिम्मेदारी मैक्स लाइफ की होगी। बैठक में इंदिरा नगर इकाई की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सितांशु सोनकर को उप सचिव नियुक्त किया गया। इस मौके पर इंदिरा नगर इकाई के अध्यक्ष आकाश अग्रवाल ने सभी व्यापारियों का आभार व्यक्त किया और उनके सहयोग से बैठक को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष आकाश अग्रवाल, संरक्षक जीतेंद्र सिंह, प्रीतम गुप्ता, रघुवीर सिंह, अरुण मिश्र, अनुज चौधरी, देवराज सिंह, सत्यनारायण गुप्ता, ओम प्रकाश सोनी, सुनील रावत, यशपाल सिंह, शरद मेहरोत्रा, आशुतोष अवधवाल, अमित बरनवाल, सितांशु सोनकर और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रोड एक्सीडेंट, होटल संचालक की मौत

पिकअप ने पीछे से बाइक में मारी टक्कर

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गोमती नगर इलाके में पिकअप की टक्कर से ढाबा संचालक की मौत हो गई। वह काम से अपने घर की तरफ जा रहे थे। तभी पिकअप चालक ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी, जिससे उनके सिर में चोट लग गई। इलाज के दौरान उन्होंने ट्रॉमा सेंटर में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पिकअप को कब्जे में ले लिया है। साथ ही आरोपी चालक को हिरासत में लिया गया है। झलियन पुरवा विनीत खंड गोमती नगर में रहने वाले रमेश चंद्र यादव (58) गोमती नगर विस्तार में मखदूमपुर चौकी के सामने भोजनालय चलाते थे। दोपहर करीब 3 बजे होटल से घर की तरफ काम से जा रहे थे। खरगापुर क्रॉसिंग के पास पहुंचे थे। तभी पीछे से पिकअप चालक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वो बाइक लेकर वहीं गिर पड़े। रमेश के सिर में गंभीर चोट आई। आननफानन में उन्हें लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। सिर में अंदरुनी चोट लगने की वजह से ब्रेन हेमरेज हो

गया। गुरुवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। भांजे निरंजन यादव ने बताया कि परिवार में पत्नी, 6 लड़की और 1 लड़का सत्यम है।

ये प्रदूषण बेहद खतरनाक...पांच साल से कम उम्र के बच्चों को दे रहा घातक बीमारी, रहें सावधान

संवाददाता

आगरा। अगर पांच साल से कम उम्र के आपके बच्चे को तेज चलने या काम करने पर सांस फूलती हो या लगातार खांसी आती है तो यह प्रदूषण के कारण हुए निमोनिया के लक्षण हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रदूषण बुरा असर डाल रहा है। खासकर फेफड़ों, ह्रदय और मस्तिष्क पर असर के कारण बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं। यह कहना है कि एम्स दिल्ली के पूर्व विभागाध्यक्ष और क्लीन एयर प्रोग्राम से जुड़े चिकित्सक डॉ. अरविंद गुप्ता का। वो होटल जेपी पैलेस में चल रही एसीकॉन–2024 कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाग करने आगरा आए हैं। क्लीन एयर प्रोग्राम में 20 एसोसिएशनों को जोड़ चुके डॉ. अरविंद गुप्ता ने बताया कि प्रदूषण से फेफड़ों के साथ ह्रदय, मस्तिष्क और सिर से पैर तक शरीर के सभी अंग प्रभावित हो रहे हैं। पूरे उत्तर भारत में बिगड़ रही हवा से हमारे पांच साल से कम उम्र के बच्चे ज्यादा प्रभावित हैं। धूल और धुएं के कारण हर अंग पर खराब असर पड़ रहा है। इसकी जानकारी न आम लोगों को है, न ही चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को। एसीकॉन में खास बातचीत में उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों

में रात में अक्सर ठीक से नींद न आने की शिकायतें मिल रही हैं। फेफड़ों में ठीक से ऑक्सीजन न पहुंचने के कारण सांस लेने में उन्हें दिक्कत हो रही है। स्कूल में बच्चों के सो जाने की शिकायतें बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि यह सभी लक्षण प्रदूषण के कारण पनप रहे हैं। इससे बच्चों की शिक्षा के साथ शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है। प्रदूषण के प्रति जागरूक करने की मुहिम में उन्होंने सभी का सहयोग मांगा और कहा कि हर किसी की जिम्मेदारी प्रदूषण नियंत्रण है। ऐसा करके वह अपने बच्चों की सेहत भी सुधार सकते हैं। जो भी प्रदूषण बढ़ा रहे हैं, वह अपने बच्चों को भी इसका शिकार बना रहे हैं। एसीकॉन में हिस्सा लेने के लिए नासिक से आए एब्डोमिनल वॉल रीकन्स्ट्रक्शन सर्जन्स कम्यूनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रमोद शिंदे ने हर्निया से बचाव के उपाय बताए। डॉ. शिंदे ने बताया कि मोटापे, गलत खानपान और जीवनशैली के कारण कुछ साल में ही हर्निया के मामले 400 फीसदी तक बढ़ गए हैं। सर्जरी के मामलों के बढ़ने के कारण भी ऐसा हो रहा है। डॉ. शिंदे ने एसीकॉन में बताया कि छोटे हर्निया होने पर ऑपरेशन कराने पर सफलता की संभावना अधिक रहती है। लापरवाही बरतने पर जब हर्निया बढ़ जाता है, तब दोबारा ऑपरेशन करने की आशंका रहती है। हर्निया की सर्जरी में अब ऐसी जाली डाली जाने लगी है, जो शरीर में दो साल के अंदर घुल जाती है। ऐसा उन लोगों में किया जाता है, जिसमें गर्भावस्था के कारण सर्जरी की संभावना होती है। नई तकनीक में त्वचा की सात परतों में से मांसपेशियों के बीच की परत में जाली डाली जा रही है। इससे मरीजों को काफी राहत मिल रही है। उन्होंने बताया कि सर्जरी की संख्या बढ़ने के कारण हर्निया के मामलों में इजाफा हुआ है। 20 से 60 साल की महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान सर्जरी होने से हर्निया के केस ज्यादा हैं। नाभि और जांघ के हर्निया के केस अन्य मामलों से ज्यादा हैं।

आगरा किला में छह फीट का अजगर, देखकर पर्यटक हुए भयभीत, वाइल्डलाइफ की टीम ने किया रेस्क्यू

संवाददाता

आगरा। आगरा किले में बृहस्पतिवार को विद्युत खंभे के पास करीब 6 फीट लंबा अजगर देख पर्यटक भयभीत हो गए। वाइल्ड लाइफ एसओएस को सूचना दी गई। टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर स्वास्थ्य परीक्षण के बाद वापस जंगल में छोड़ दिया। परिसर में लगे लाइट पोल के पास अजगर देखा गया। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत अधिकारियों को बताया। वाइल्डलाइफ एसओएस की रैपिड रिस्पांस यूनिट के दो सदस्य पहुंचे। अजगर के आसपास से पर्यटकों को दूर किया। इसके बाद अजगर को रेस्क्यू कर कपड़े के थैले में भर लिया। चिकित्सकीय परीक्षण में अजगर को स्वस्थ पाया गया। वाइल्डलाइफ एसओएस के सह–संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने लोगों से आग्रह किया है कि किसी भी जंगली जानवर या जीव को मारें नहीं बल्कि हमारी क्विक रिस्पांस टीम को मोबाइल नंबर 9917109666 पर सूचित करें।

इंजीनियरिंग की छात्रा साढ़े तीन घंटे डिजिटल अरेस्ट, डर से कांप उठी...काई रास्ता नहीं बचा

संवाददाता

आगरा। आगरा में इंजीनियरिंग की छात्रा को डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया। साढ़े तीन घंटे तक उसे प्रताड़ित किया गया। अश्लील वीडियो की धमकी दी गई। वो डर से सहम गई। उसने 1800 रुपये की रकम ट्रांसफर भी कर दी। बाद में उसे जानकारी हुई, तो मामले में शिकायत की गई। मैनपुरी की रहने वाली छात्रा खंदारी क्षेत्र में अपनी दीदी और जीजा के घर रहती है। वो यहां इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही है। बताया गया है कि उसके पास व्हाट्सएप पर कॉल आया। साइबर ठगों ने उसे अश्लील वीडियो की धमकी देते हुए डिजिटल अरेस्ट कर लिया। इसके बाद उसे धमकाना शुरू किया। साढ़े तीन घंटे तक उसे कॉल काटने तक नहीं दिया गया। छात्रा बुरी तरह साइबर ठगों के जाल में फंस गई। छात्रा ने साइबर ठगों के कहे अनुसार उनके खाते में 1800 रुपये की रकम भी ट्रांसफर कर दी। बाद में उसे जानकारी हुई, तो घरवालों को पूरी कहानी बताई। इस मामले में छात्रा की शिकायत के बाद साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वो पति को इंजीनियर समझती रही... फिर डेंटिस्ट पत्नी के सामने आई ऐसी हकीकत, छूटे पसीने

संवाददाता, आगरा। आगरा के थाना सिकंदरा में पिता ने डेंटिस्ट बेटी के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पति सहित अन्य ससुराल वालों पर केस दर्ज कराया है। आरोप है कि निकाह के समय ससुरालियों ने बेटे को इंजीनियर बताया था। बाद में वह छठवीं पास निकला। विरोध पर बेटी को घर से निकाल दिया। उनसे 60 लाख रुपये भी ऐंठ लिए। सेक्टर–11, आवास विकास कॉलोनी निवासी अबुल माजिद सिद्दीकी आवास विकास परिषद में वरिष्ठ सहायक पद से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बेटी नाजिया माजिद डेंटिस्ट है। वर्ष 2014 में लोहामंडी के बेसन बस्ती निवासी रजिया बेगम, मोहम्मद इमरान व अन्य अपने पुत्र मोहम्मद फैजान का रिश्ता लेकर उनके घर आए थे। मोहम्मद फैजान ने खुद को कंप्यूटर इंजीनियर और सैलरी पैकेज 30 लाख रुपये बताया। उन्होंने भरोसा कर 15 जनवरी 2016 को दोनों का निकाह कर दिया। निकाह के बाद उन्हें पता चला कि मोहम्मद फैजान कहीं नौकरी नहीं करता है। वह इंजीनियर नहीं बल्कि 6वीं तक ही पढ़ा–लिखा है। इसका विरोध करने पर पति और अन्य ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए बेटी का उत्पीड़न करने लगे। मारपीट कर घर से निकाल दिया। मामले में सिकंदरा थाना प्रभारी का कहना है कि साक्ष्य संकलन किया जा रहा है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंद घर और रात का अंधेरा...ये गलती आप न करें, चोर गैंग के सदस्यों से पूछताछ में हुआ खुलासा

संवाददाता, आगरा। आगरा के थाना ताजगंज की पुलिस ने बंद घरों में चोरी करने वाले सदर थाना क्षेत्र के मीरा विहार कहरई निवासी मनीष कुमार, सोनू प्रजापति, सुमित और एक बाल अपचारी सहित चार को गिरफ्तार कर लिया। दीपक उर्फ पटाखा फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। उनके कब्जे से जेवरात, 13 हजार 870 रुपये नकदी, एक मोटरसाइकिल व अन्य सामान बरामद किया। थाना ताजगंज के इंस्पेक्टर क्राइम ने बताया कि 20 नवंबर को दो पीड़ितों ने तहरीर दी थी। बताया था कि वह परिवार के साथ शहर से बाहर गए थे। वापस लौटकर आए तो घरों के ताले टूटे मिले। चोर घर से जेवरातों के साथ नकदी ले गए। इससे पहले भी कई शिकायत मिली थीं। चोरों के पहचान के लिए टीम को लगाया गया। 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर थाना क्षेत्र के सोलह बीघा मैदान से बुधवार को बाल अपचारी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कारोबारी से लूटः दो घंटे बाद पहुंची पुलिस...लुटेरों की तलाश की जगह सीमा विवाद में उलझी, विधायक ने किया फैसला

संवाददाता

एटा। एटा के थाना राजा का रामपुर क्षेत्र के रहने वाले किराना कारोबारी को घर वापस जाते समय बाइक सवार बदमाशों ने तमंचे के बल पर लूट लिया। बाइक सवार बदमाश किराना कारोबारी से 27 हजार रुपए नकद और बाइक के साथ कुछ दस्तावेज लूट ले गए। उसके हाथ–पैर बांधकर खाई में फेंक दिया। किसी तरह कारोबारी ने खुद को मुक्त कराने के बाद पुलिस को सूचना दी। फर्रुखाबाद सीमा पर हुई इस वारदात के दौरान पुलिस सीमा विवाद में उलझी रही, लेकिन लुटेरों की तलाश का प्रयास तक नहीं किया। राजा का रामपुर थाना क्षेत्र के गांव गढ़िया जगन्नाथ निवासी हितेंद्र की किराने की दुकान अलीगंज थाना क्षेत्र स्थित ब्लॉक परिसर के सामने है। हर रोज की तरह किराना कारोबारी अपने गांव देर शाम वापस जा रहे थे। बदमाशों ने कारोबारी को रस्ते में घेर लिया। कारोबारी की बाइक में लात मारकर गिरा दिया। बदमाशों ने उस पर तमंचा तान दिया। इसके बाद 27 हजार की नकदी, बाइक और कुछ दस्तावेज लूट लिए। कारोबारी ने विरोध करने का प्रयास किया, तो उसे जान से मारने की धमकी दी। कारोबारी पीछा न कर सके,

इसलिए उसके हाथ–पैर बांधकर खाई में फेंक दिया। किसी तरह कारोबारी छूटा और सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना के बाद भी करीब दो घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद भी दो थानों की सीमा के विवाद में उलझ गई। देर रात तक ये ही तय नहीं हो सका कि ये वारदात किस क्षेत्र में हुई है। पुलिस की ऐसी कार्यशैली देख कारोबारी सड़क पर बैठ गया। कारोबारी हितेंद्र ने आप बीती बताते हुए पुलिस के रवैए पर गंभीर सवाल उठाए। उसने बताया कि सूचना के बाद भी राजा का रामपुर थाना पुलिस नहीं पहुंची। अलीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने अपने सीमा में घटना का नहीं होना बताया। पीड़ित ने क्षेत्रीय विधायक सत्यपाल सिंह राठौर से भी शिकायत है। विधायक के हस्तक्षेप के बाद कांपिल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

महिला दरोगा की मौतः शादी की पहली सालगिरह...ऐसे मातम में बदल गईं खुशियां, पिता के निधन के बाद पहनी थी वर्दी

संवाददाता

मथुरा। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस–वे पर हुए दर्दनाक हादसे में प्रयागराज के नैनी थाने में तैनात महिला दरोगा की मौत हो गई। 2018 में पिता की मौत के बाद महिला दरोगा नेहा शुक्ला ने परिवार की पूरी जिम्मेदारी संभाली थी। शादी के बाद नौकरी करते हुए वह मायके और ससुराल दोनों की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही थीं। प्रयागराज के नैनी थाने में तैनात एसआई नेहा शुक्ला की शादी 8 दिसंबर 2023 को दिल्ली के नेहरू नगर निवासी आदेश कुमार के साथ हुई थी। शादी से पहले ही वह पुलिस में भर्ती हो गई थी। 2022–23 में ट्रेनिंग करने के बाद एक साल से प्रयागराज के नैनी थाने में एसआई की पद पर कार्यरत थी। पिछले दिनों छुट्टी लेकर घर आई थी। बृहस्पतिवार को उन्हें थाने में रिपोर्ट करनी थी। इसलिए पति के स्विफ्ट कार से प्रयागराज जा रही थीं। जीजा हर्षवर्धन ने बताया कि नेहा मूल रूप से बांदा की रहने वाली थी। पिता फूलचंद शुक्ला ने गाजियाबाद में मकान बनवाया तो यहां रहकर ही उन्होंने अपनी पढ़ाई लिखाई पूरी की। बताया कि फूलचंद शुक्ला भी पुलिस में एसआई के पद पर थे। उनकी मृत्यु 2018 में हुई थी। इसके बाद नेहा ने कड़ी मेहनत करके अपने बल पर पुलिस में नौकरी पाई। बताया कि नेहा परिवार की छोटी बहन निधि शुक्ला प्राइवेट जॉब करती है, जबकि उसका भाई प्रांजुल शुक्ला अभी पढ़ाई कर रहे हैं। महिला दरोगा की मौत से मायका और ससुराल दोनों पक्ष में मातम छाया हुआ है। दुर्घटना की सूचना मिलने पर मायका और ससुराल पक्ष के लोग दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। इससे पहले ही मथुरा में रहने वाले रिश्तेदार पहुंच गए। यहां उन्हें पता चला कि नेहा की मौत हो गई और पति आदेश कुमा गंभीर रूप से घायल है। आदेश कुमा की गंभीर हालत को देखते हुए परिजन उन्हें दिल्ली रेफर कराकर ले गए। पोस्टमार्टम के बाद परिजन ने महिला दरोगा के शव का कृष्णानगर स्थित मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया।

गजब का हालः एक ही पेपर में कर दिया फेल

आगरा विवि का ऐसा कारनामा...बीएचएमएस के विद्यार्थी धरने पर बैठे

संवाददाता

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमएस) के छात्रों ने बृहस्पतिवार को पालीवाल पार्क स्थित कैंपस में धरना दिया। ये सभी छात्र कम्यूनिटी मेडिसिन के पेपर में फेल दिखाए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि पेपर जांचने वाले शिक्षक ने कई प्रश्नों को जांचा ही नहीं है। सही उत्तरों पर क्रॉस और क्वेश्चन मार्क लगाकर छोड़ दिया है। 20 अंक के प्रश्न में मात्र 2 और 3 तक नंबर दिए गए हैं। छात्रों ने कॉपियों का पुनर्मूल्यांकन कराने की मांग की। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश के 7 होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों में पढ़ने वाले करीब 60 छात्र विश्वविद्यालय पहुंचे। इनका आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। सभी पेपरों में 60 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को कम्यूनिटी मेडिसिन में 10 से लेकर 40 अंक तक दिए गए हैं। आरटीआई में उन्होंने अपनी कॉपी निकलवाई है, सभी उत्तर सही हैं। अपनी समस्या के समाधान के लिए बीएचएमएस के लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, अयोध्या, गाजीपुर, आजमगढ़ और मुरादाबाद से आए छात्र सुबह 9 बजे ही विवि के पालीवाल पार्क परिसर पहुंच गए थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें विश्वविद्यालय में प्रवेश नहीं करने दिया। इसके बाद एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव अंकुश गौतम ने प्रवेश दिलवाया। पहले कुलपति और फिर परीक्षा नियंत्रक कार्यालय के सामने छात्र धरने पर बैठे। शाम करीब 4 बजे परीक्षा नियंत्रक डॉ. ओम प्रकाश और चीफ प्रॉक्टर प्रो. मनुप्रताप सिंह विवि पहुंचे। परिणाम में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए इन छात्रों ने 2 दिसंबर को भी विश्वविद्यालय में धरना दिया था। तब छात्रों की मांग पर आरटीआई खोला गया था। अंकुश गौतम और गौरव शर्मा ने बताया कि तब परीक्षा नियंत्रक ने आश्वासन दिया था कि अगर मूल्यांकन में गड़बड़ी पाई गई तो वह कॉपियों का पुनर्मूल्यांकन करवाएंगे लेकिन अब वह इसके लिए भी राजी नहीं हो रहे हैं। छात्रों ने ऐलान किया कि समस्या समाधान होने तक वह विवि में धरने पर बैठे रहेंगे। बीएचएमएस 2019 बैच के अंतिम वर्ष के छात्र राजकुमार ने बताया कि सभी पेपर में 70 अंक मिले हैं और एक पेपर में हमें फेल कर दिया। हमारी कॉपियां हमारे हाथ में हैं। हर प्रश्न का कायदे से साफ राइटिंग में जवाब दिया है। समझ ही नहीं आ रहा कि आखिर परीक्षक ने फेल क्यों किया। सिद्ध प्रकाश ने कहा कि मैंने अपनी कॉपी अपने कॉलेज में प्रोफेसर को दिखाई, उनका स्पष्ट कहना है कि 60 से कम अंक इस कॉपी पर मिलने ही नहीं चाहिए। 20 नंबर के प्रश्न पर 2 अंक दिए हैं जबकि उत्तर में हेडिंग, चार्ट सब बनाए हैं। हरिशंकर ने कहा कि सभी पेपरों में फर्स्ट डिवीजन मार्क्स हैं। इस एक पेपर की वजह से साल और डिवीजन दोनों खराब हो रहा है। कॉपी देखकर ऐसा लग रहा है कि शिक्षक ने पहले से तय कर रखा था कि इनको फेल करना है। तभी तो सही को गलत कर दिया है। छात्र रिजवान शेख का कहना है कि 20 अंक के प्रश्न को अटेंप्ट करने के ही 2 अंक दिए जाते हैं, यहां पूरा उत्तर लिखने के बाद भी दो अंक दिए हैं। मात्र एक प्रश्न में 10 अंक दिए हैं। दूसरे में जीरो दे दिए हैं। हमारी जायज मांग को भी विवि नहीं मान रहा है।

अमेजॉन के माल पर हाथ कर दिया साफ

ट्रक चालक और सहायक निकले चोर, दर्ज हुआ मुकदमा

संवाददाता

एटा। एटा कोतवाली नगर में अरविंद निवासी खंदौली जिला आगरा ने सनी निवासी शांतीनगर सहित दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया कि लखनऊ से हैदराबाद अमेजॉन का सामान लेकर गए थे। इसे हैदराबाद न ले जाकर घर ले आए और 9.64 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। अरविंद कुमार ने बताया कि वह तेजस कार्गो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड फरीदाबाद में फील्ड मैनेजर के पद पर तैनात है। कंपनी की गाड़ी चलाने के लिए सनी कुमार निवासी शांतीनगर नगला पोता और अतुल निवासी ईशीपुर करतला थाना बागवाला को रखा हुआ है। 17 नवंबर को दोनों लोग अमेजॉन कंपनी का सामान गाड़ी में लोड करवाकर सील कराकर निकल गए। लखनऊ से लोड हुआ सामान हैदराबाद जाना था लेकिन, यह लोग वहां से सीधे अपने घर एटा आ गए। इसके बाद 20 नवंबर को अतुल और सनी गाड़ी को कंपनी के गेट पर खड़ा करके भाग गए। बताया कि गाड़ी की जांच की गई तो कंपनी की लगाई गई सील टूटी हुई थी और मिसमैच भी थी। इसके अलावा लगा हुआ कंप्यूटराइज्ड लॉक भी टूटा हुआ था। चेक किया तो उसमें से लगभग 964038 रुपये का सामान गायब था। दोनों लोगों से मोबाइल के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो मोबाइल बंद पाए गए। सीओ सिटी अमित कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज के लिए कर ली गई है। मामले की गहनता के साथ जांच पड़ताल की जा रही है। जो भी तथ्य निकलकर आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से नहीं हुआ भला, ताला अपने ही दम पर चला, एक भी बड़ी इकाई नहीं हुई स्थापित

संवाददाता

अलीगढ़। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से अलीगढ़ के ताला उद्योग को कोई बड़ा फायदा नहीं हुआ है। यह कुटीर उद्योग अपने ही दम पर आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में यह उद्योग 1500 करोड़ रुपये सालाना टर्नओवर पर पहुंच रहा है। हर साल लगभग 70 करोड़ रुपये के ताले विदेशों में निर्यात हो रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अलीगढ़ में ऐसी एक भी बड़ी इकाई स्थापित नहीं हुई, जिससे इस कारोबार को चार चांद लगते, उत्पादन और कमाई बढ़ती। हां, इसमें कुछ इकाइयों का विस्तार जरूर हुआ है। अब थोड़ा पीछे चलिए..। वर्ष 2016 में नोटबंदी और उसके बाद वर्ष 2019 में कोरोना काल के दौरान हुए लॉकडाउन का इस कारोबार पर गहरा असर पड़ा। कई छोटी और बड़ी इकाइयां में उत्पादन बंद हो गया था। इन दो बड़ी चुनौतियों से ताला कारोबार जैसे–तैसे उबर सका। अब महंगाई और इसकी वजह से मांग में आई कमी परेशान कर रही है। राजकोट और मोदीनगर में ताला उत्पादन बढ़ा है तो चीन, ताइवान और कोरिया से आ रहे ताले भी अलीगढ़ के ताले को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। कच्चे माल की कीमतों में बड़ा उतार–चढ़ाव भी कारोबारियों को सिरदर्द दे रहा है। फिलहाल ताला उद्योग अपनी ही दम पर सभी चुनौतियों से जूझते हुए आगे बढ़ रहा है। यह हाल तब है, जब अलीगढ़ का ताला ओडीओपी में शामिल है। अलीगढ़ में ताला कब बनना शुरू हुआ, इसका कोई सटीक प्रमाण नहीं है, लेकिन मुगलकाल से इसकी शुरुआत मानी जाती है। अंग्रेजी हुकूमत ने इसको व्यवस्थित किया। सन 1870 में जॉनसन एंड कंपनी ने इंग्लैंड से अच्छे ताले लाकर यहां बेचना शुरू किया था। उस वक्त यहां का हाथ का बना ताला देखने में कम अच्छा होता था। इसके बाद विदेशी तालों को देख कर यहां के तालों का रूप बदला। जब काम बढ़ा तो अंग्रेजों ने 1926 में यहां पहली मेटल वर्कशॉप खोली। अंग्रेजी गजेटियर आगरा–अवध के अनुसार 20वीं सदी की शुरुआत में अलीगढ़ में सालाना पांच लाख ताले बनते थे। जिसकी कीमत लगभग 2.76 लाख रुपये थी। इन्वेस्टर्स समिट से अलीगढ़ के ताला कारोबार को कोई बहुत बड़ा फायदा नहीं मिला है।

देश की तीन उर्दू अकादमियों को आठ साल से नहीं मिला बजट, कुछ दिनों तक शिक्षकों ने अपने पास से भी किया खर्च

संवाददाता

अलीगढ़। देश के तीन–तीन अलग विश्वविद्यालयों में स्थापित उर्दू अकादमी को आठ साल से कोई बजट नहीं मिला है। जिससे यहां उर्दू शिक्षकों को अपडेट करने वाला शिक्षण कार्य बंद हो गया है। जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली की उर्दू अकादमी के पूर्व निदेशक प्रो. गजनफर कहते हैं कि देश को तीन हिस्सों में बांट कर वर्ष 2006 में तीन उर्दू अकादमी बनाई गईं थीं। दरअसल उर्दू भाषा के विकास के लिए देश को तीन जोन में बांट कर तीन अलग अलग विश्वविद्यालयों में तीन उर्दू अकादमी बनाई गईं थीं। इसमें जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली की अकादमी के पास राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल और जम्मू कश्मीर के शिक्षकों को पढ़ाने की जिम्मेदारी थी। एएमयू की अकादमी पर यूपी, उत्तराखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के शिक्षकों की जिम्मेदारी तय थी। इसी तरह से मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद के पास दक्षिण भारतीय राज्यों का जिम्मा था। फिलहाल तीनों अकादमी के पास कोई बजट नहीं है। इसलिए तीनों जगह शिक्षण कार्य बंद हैं। उर्दू अकादमी में उन शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों को अपग्रेड किया जाता था, जहां पर उर्दू प्रथम, द्वितीय या तृतीय भाषा के तौर पर पढ़ाई जाती है। इसमें मदरसा के शिक्षक भी शामिल थे। लगभग 35 से 40 शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए यहां 15 दिन का कार्यक्रम होता था। अकादमी की ओर से शिक्षकों को ठहराने और उनके खाने का इंतजाम किया जाता था। जब बजट बंद हो गया तो उर्दू अकादमी के शिक्षकों ने अपनी ओर से कुछ दिन तक इस कार्यक्रम को जारी रखा, लेकिन उसके बाद आर्थिक तंगी में ये कार्यक्रम बंद कर दिए गए। एएमयू के पूर्व कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल जमीरउद्दीन शाह ने अपने कार्यकाल के दौरान उर्दू अकादमी का भवन देखा तो उन्हें यह बेहद खूबसूरत लगा। उन्होंने इस भवन में ही उर्दू विभाग को शिफ्ट करा दिया। तब से उर्दू विभाग इसी इमारत में संचालित हो रहा है। भारत सरकार ने 30 अक्तूबर 2006 को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली और मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद में उर्दू अकादमी खोलने की सहमति दी थी।

दूल्हे के जीजा ने की ऐसी करतूत...बरात में मच गई भगदड़

कैमरामैन पहुंच गया अस्पताल

संवाददाता

आगरा। आगरा के दयालबाग स्थित मैरिज होम द ग्रैंड सेलिब्रेशन में बुधवार रात को बरात में दूल्हे के जीजा ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुशी में गोली चला दी। गोली लगने से कैमरामैन घायल हो गया। गोली दाईं जांघ से पार निकल गई। समारोह में अफरातफरी मच गई। आरोपी जीजा भाग निकला। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जज कंपाउंड निवासी अभिनव उपाध्याय (27) शादी समारोह में फोटोग्राफी करते हैं। बल्केश्वर निवासी प्रदीप ने शादी में फोटोग्राफी की बुकिंग ली थी। बुधवार को विमल वाटिका, कर्मयोगी निवासी गौरव गुप्ता की बरात मैरिज होम द ग्रैंड सेलिब्रेशन में गई थी। अभिनव फोटोग्राफी कर रहे थे। आरोप है कि रात तकरीबन 11 बजे बरात चढ़ने के दौरान दूल्हे के जीजा अर्पित गुप्ता ने लाइसेंसी रिवाल्वर से हर्ष फायरिंग की। अभिनव के चाचा अक्षत उपाध्याय ने बताया कि चिकित्सकों ने ऑपरेशन करके बारूद निकाल दिया गया है। हड्डी अलग हो गई थी। लोग बता रहे हैं कि रिवाल्वर से गोली चलाई गई थी। हालांकि उन्हें आशंका है कि तमंचे का प्रयोग किया गया। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि घायल के भाई अविरल की तहरीर पर अर्पित गुप्ता के खिलाफ केस दर्ज किया है। अर्पित का गिलट की पायल का काम है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

नैंसी त्यागी के ये लुक्स सालभर रहे सुर्खियों में, कान में पहुंच दुनियाभर में बनाई पहचान

एजेंसी

वो कहते हैं न कि लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती... इस बात को चरितार्थ किया है यूपी के बागपत जिले की रहने वाली नैंसी त्यागी ने। इंस्टाग्राम पर वीडियो बनाते–बनाते नैंसी पर कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर उतरीं, तो हर कोई उन्हें देखता रह गया। जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी वीडियोज पोस्ट करना शुरू किया था, तो लोगों ने उन्हें काफी ट्रोल किया। पर, आज के समय में वही लोग नैंसी त्यागी की पोस्ट को शेयर कर रहे हैं और उनकी तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, जहां एक तरफ कई सेलेब्स बड़े–बड़े डिजाइनर्स द्वारा डिजाइन किए हुए कपड़े पहनकर 77वें कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर उतर रहे थे, वहीं नैंसी खुद के द्वारा डिजाइन की गई ड्रेस पहनकर रेड कारपेट पर उतरीं। इस दौरान हर कोई उन्हें देखता रह गया। कान फिल्म फेस्टिवल के दौरान उनके तीन लुक्स लोगों के सामने आए, जिनको हम साल खत्म होने के पहले एक बार फिर दिखाने जा रहे हैं। नैंसी त्यागी अपने कान फिल्म फेस्टिवल के डेब्यू के दिन ये गुलाबी रंग का प्रिंसेस गाउन पहन कर रेड कारपेट पर पहुंची थीं। जैसे ही उनका लुक सामने आया तो लोगों ने उन्हें बार्बी डॉल से कंपेयर कर दिया। अपनी इस खूबसूरत सी ड्रेस को उन्होंने खुद ही डिजाइन किया था। इस खूबसूरत सी ड्रेस को तैयार करने के लिए पूरे 1000 मीटर कपड़ा लगा था। वहीं इसका वजन पूरे बीस किलो था। इसके बावजूद नैंसी ने इस ड्रेस को काफी खूबसूरती के साथ कैरी किया था। नैंसी ने अपनी मेहनत से इस ड्रेस को एक महीने में तैयार कर लिया था। बात करें उनके इस लुक की तो अपने इस बार्बी लुक को पूरा करने के लिए नैंसी ने हाथों में मैचिंग दस्ताने पहने थे। खुले सॉफ्ट कर्ल्स वाले बाल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। विंग्ड आई लाइनर के साथ अपने मेकअप को हल्का रखते हुए उन्होंने गले में छोटा सा पेंडेंट और कान में छोटे–छोटे

टॉप्स पहने थे। फ्रांस की सड़कों पर जब नैंसी खुद के द्वारा डिजाइन की गई साड़ी पहनकर उतरीं तो लोग उन्हें देखते रह गए। इस लैवेंडर रंग की नेट की साड़ी में नैंसी कमाल की लग रहीं थीं। खुद से डिजाइन की गई केप साड़ी को नैंसी ने खुद से ही तैयार किया था। उनकी इस साड़ी के पीछे की तरफ लंबी सी ट्रेल लगी थी, जो उनके लुक को और खूबसूरत बना रही थी। इस साड़ी के साथ नैंसी ने काफी खूबसूरत सा बैकलेस ब्लाउज कैरी किया था, जो साड़ी की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा था। इसके अलावा नैंसी ने इस लुक के साथ बालों को स्लीक तरीके से स्टाइल किया था। कानों में लंबे राउंड इयररिंग्स और पैरों में हाई हील्स साड़ी को प्यारा बना रहे थे। इस लुक के साथ उन्होंने अपने मेकअप को न्यूड ही रखा था। नैंसी त्यागी ने जब अपने तीसरे लुक की तस्वीरें साझा कीं, तब हर कोई उनकी तारीफ करते नहीं थक रहा था। अपने तीसरे लुक को शानदार बनाने के लिए नैंसी ने ब्लैक रंग की कॉर्सेट टॉप और मैचिंग स्कर्ट तैयार की थी। उनकी इस स्कर्ट पर काफी लंबी सी ट्रेल लगी थी, जो उसकी खूबसूरती कई गुना बढ़ा रही थी। इसके साथ उन्होंने हाथ में मैचिंग स्टॉल कैरी किया था और हाथों में दस्ताने पहने थे। अपने इस ऑल ब्लैक लुक के साथ नैंसी ने न्यूड मेकअप के साथ विंग्ड आईलाइनर लगाया था। आईलाइनर की वजह से उनकी आंखें काफी हाइलाइट हो रहीं थीं। इसके अलावा बीडेड हेयरस्टाइल, ब्लैक इयररिंग्स और चोकर की वजह से उनका लुक प्यारा लग रहा था।

इस साल सुर्खियों में रहीं ये पांच महिला नेता, भारतीय राजनीति में बनीं चर्चित चेहरा

एजेंसी

भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल से लेकर राज्य के मुख्यमंत्री पद, किसी राजनीतिक पार्टी के जिम्मेदार पद पर महिलाओं की हिस्सेदारी देखने को मिली। साल 2024 में राजनीति में बड़े बदलावों का वर्ष रहा। इस वर्ष लोकसभा चुनाव में जीत के बाद मोदी सरकार एक बार फिर सत्ता में आई। इसके अलावा राजस्थान, झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू कश्मीर

में विधानसभा चुनाव हुए। इन चुनावों के दौरान कई महिला उम्मीदवारों और नेताओं के नाम सुर्खियों में रहे। कई चुनाव में जीतकर तो कोई हार कर चर्चा में रहीं। कुछ का नाम राजनीतिक विवादों में उछला। पिछले कुछ महीनों की राजनीतिक खबरों पर नजर डालें तो साल 2024 में कुछ महिला नेताओं के नाम अखबारों, टीवी चौनलों और सोशल मीडिया में काफी सुर्खियों में रहे। आइए जानते हैं 2024 की चर्चित महिला नेताओं के बारे में। अभिनेत्री कंगना रणौत ने इस साल भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर हिमाचल प्रदेश के मंडी से चुनाव जीतकर सदन पहुंची। इसी के साथ कंगना रणौत की राजनीतिक पारी की शुरुआत हुई। कंगना रणौत अपने चुनावी बयानबाजियों और विवादित टिप्पणियों के कारण साल 2024 में काफी चर्चा में रहीं। तृणमूल कांग्रेस के नेता महुआ मोइत्रा सत्रहवीं लोकसभा में पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर लोकसभा सीट जीतकर संसद पहुंचीं। महुआ मोइत्रा भी अपने विवादित बयानों के कारण हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। इस साल चुनाव में जीत और राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा पर अपमानजनक टिप्पणी के कारण वह भी विवादों से घिरी रहीं। सामाजिक कार्यकर्ता और राज्यसभा में संसद सदस्य के रूप में कार्य कर रही स्वाति मालीवाल साल 2024 में काफी चर्चा में रहीं। अरविंद केजरीवाल के आवास पर पिटाई को लेकर और सीएम केजरीवाल के सचिव पर गंभीर आरोपों के बाद स्वाति मालीवाल का नाम लगातार सुर्खियों में बना रहा। भाजपा ने हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र के लिए कोम्पेला माधवी लता को टिकट दिया। लता चार बार हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ माधवी लता चुनाव मैदान में उतरीं। दक्षिण भारतीय अभिनेत्री माधवी लता भले ही चुनाव में हारी लेकिन उन्होंने जनता का ध्यान आकर्षित किया और सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहीं। राजस्थान में भाजपा की जीत के बाद वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री बनने की आशंकाओं पर उस समय विराम लग गया जब भाजपा ने भजनलाल शर्मा को सीएम बना दिया। उसके बाद से वसुंधरा राजे उप– चुनाव मंच से दूरी बना ली। वसुंधरा राजे के भाषण और टिप्पणियों के कारण वह इस साल काफी चर्चा में रहीं।

आपकी किचन में ही मौजूद है जोड़ों-शरीर दर्द की देसी दवा, एक महीने कर लें सेवन तो मिलेंगे कई फायदे

एजेंसी

हमारे किचन में कई ऐसे मसाले मौजूद होते हैं, जिनको अध्ययनों में बहुत फायदेमंद पाया गया है। हल्की ऐसा ही एक मसाला है जिससे न सिर्फ भोजन का स्वाद बढ़ता है साथ ही इससे सेहत को भी कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो इसे विशेष फायदेमंद बनाता है। हल्दी एक अद्भुत औषधि है जो हमें कई प्रकार की बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं से बचा सकती है। नियमित हल्दी का सेवन प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने, दर्द को कम करने, कई तरह के संक्रमण से बचाने में फायदेमंद हो सकती है। आहार में हल्दी को जरूर शामिल करें या फिर नियमित रूप से हल्दी वाले दूध का सेवन करें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हल्दी के एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण चोट, कटने या जलने पर जल्दी से घाव भरने में मदद करते हैं। हल्दी लगाने से घाव में इन्फेक्शन का खतरा कम होता है और वह जल्दी ठीक होता है। इसके अलावा हल्दी में एंटी–ऑक्सीडेंट्स और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो शरीर को संक्रामक रोगों से सुरक्षा देते हैं। हल्दी के एंटी–ऑक्सीडेंट्स और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण इम्युनिटी पावर को बढ़ाने में मदद करते हैं। शरीर को फ्री–रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाकर हल्दी इम्यून सिस्टम को

मजबूत करती है, जिससे बार–बार बीमारियां नहीं होती। रिसर्च में यह भी पाया गया है कि हल्दी में कैंसर रोधी गुण भी होते हैं, जो कैंसर सेल्स के विकास को रोकने में सहायक होते हैं। यानी आहार में इस एक चीज को शामिल करना आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकती है। हल्दी में प्राकृतिक एंटी–इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं, जो शरीर के अंदरुनी और बाहरी सूजन को कम करने में सहायक होते हैं। गठिया, जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों में सूजन से राहत पाने के लिए हल्दी को उपयोगी माना जाता है। जिन लोगों को अक्सर शरीर में दर्द रहता है, चोट के कारण दर्द रहता है उन्हें नियमित रूप से हल्दी वाले दूध के सेवन से लाभ मिल सकता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो त्वचा संबंधी संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। हल्दी का सेवन करने से त्वचा में निखार आता है और इसे लगाने से मुंहासे, दाग–धब्बे और अन्य समस्याओं में भी आराम मिलता है। ये पाचन क्रिया में सुधार लाने के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद करक्यूमिन पित्ताशय से बाइल (पित्त) का स्राव बढ़ाती है जिससे पाचन बेहतर होता है। गैस, बदहजमी और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए आहार में हल्दी को जरूर शामिल करें।

ऐसे किया कॉफी का इस्तेमाल तो खिल उठेगा चेहरा, नहीं पड़ेगी मेकअप की जरूरत

एजेंसी

आजकल प्रदूषण काफी बढ़ गया है, ऐसे में त्वचा का ध्यान रखना काफी जरूरी हो जाता है। त्वचा का ध्यान रखने के लिए बाजार में तमाम तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट आते हैं, जो चेहरा दमकाने में काफी मदद करते हैं। लेकिन यदि आप उन लोगों में से हैं, जिन्हें घरेलू नुस्खों पर ज्यादा भरोसा है तो हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से चेहरा खिल उठेगा। यहां हम बात कर रहे हैं कॉफी की, तो कॉफी के इस्तेमाल से आप कई तरह से अपने चेहरे को चमका सकते हैं। यहां हम आपको कॉफी के इस्तेमाल के कुछ आसान तरीके बताने जा रहे हैं, ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक रूप से ग्लो करे और आपको मेकअप की जरूरत न पड़े। कॉफी का पाउडर एक अच्छा नैचुरल एक्सफोलिएटर है। ऐसे में आप इसके इस्तेमाल से फेस स्क्रब बना सकते हैं। कॉफी से बने फेस स्क्रब के इस्तेमाल से डेड स्किन हटती है और त्वचा चमकदार बनती है। इसे बनाने के लिए 1 बड़ा चम्मच कॉफी पाउडर और 1 बड़ा चम्मच शहद या दही को एक साथ मिक्स करके स्क्रब बनाएं। इस स्क्रब को चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए लगाएं। 5–10 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। कॉफी के एंटीऑक्सिडेंट स्किन को रिफ्रेश करने में मदद करते हैं। ऐसे में आप इसका फेस पैक भी तैयार कर सकते हैं। इसका फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले 1 बड़ा चम्मच कॉफी पाउडर और 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल को एक कटोरी में मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इसे पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15–20 मिनट के बाद धो लें। यदि आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो आप कॉफी की मदद से आई मास्क तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको 1 चम्मच कॉफी पाउडर और 1 चम्मच नारियल तेल की जरूरत पड़ेगी। दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके आंखों के नीचे लगाएं। 10–15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से धो लें। कॉफी से बना बॉडी स्क्रब त्वचा को एक्सफोलिएट कर चिकना और मुलायम बनाता है। इसे बनाने के लिए 1/2 कप कॉफी पाउडर , 1/4 कप नारियल तेल की जरूरत पड़ेगी। दोनों चीजों को सही से मिक्स करने के बाद नहाने से पहले स्क्रब की तरह इस्तेमाल करें। सर्कुलर मोशन में मसाज करें और फिर पानी से धो लें। ॉफी में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट त्वचा को एजिंग के प्रभाव से बचाते हैं।

कुशा कपिला के तलाक के बाद मां का घर से निकलना हो गया मुश्किल, मंदिर जाने पर मिलते थे ऐसे ताने

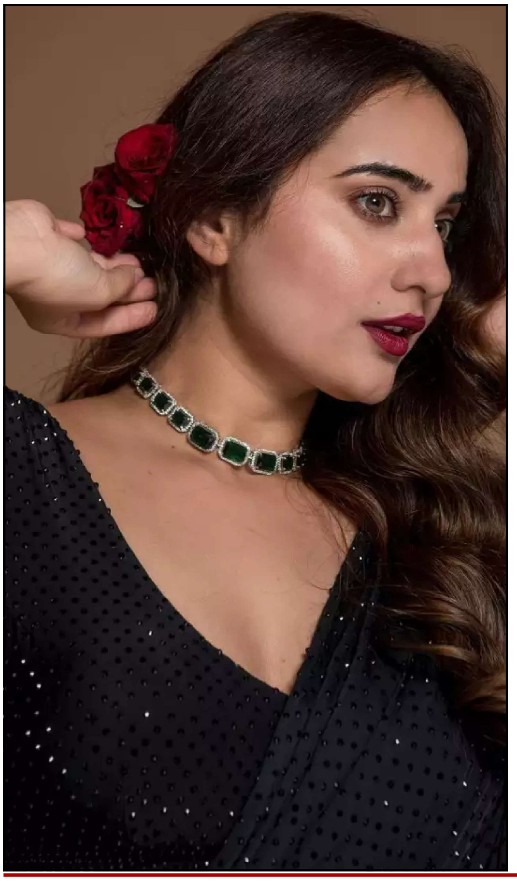

एजेंसी

अभिनेत्री, कॉमेडियन और इंटरनेट सेलिब्रिटी कुशा कपिला ने साल 2017 में जोरावर अहलूवालिया से शादी रचाई। मगर, कुछ साल बाद इनका तलाक हो गया। साल 2023 में कुशा ने अपने तलाक का एलान किया। उनका कहना है कि तलाक के बाद वे डरी हुई थीं और सबसे ज्यादा चिंता उन्हें इस बात की सता रही थी कि इस फैसले का असर उनकी मां के सामाजिक जीवन पर पड़ेगा। ऐसा हुआ भी। कुशा और उनकी मां को लोगों के खूब ताने झेलने पड़े। कुशा के तलाक के बाद ऐसे हालात आए कि उनकी मां के लिए मंदिर तक जाना मुश्किल हो गया। वहां भी उन्हें लोगों से ताने सुनने पड़ते। इस दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया कि जोरावर से तलाक का एलान करने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ट्रोलिंग झेलनी पड़ी। मगर, इतनी आलोचनाओं के बीच भी उन्होंने चुप्पी साधे रखी। कुशा कपिला और उनकी मां ने बातचीत में कहा कि वह एक मुश्किल दौर रहा। मगर, उस वक्त ने उन्हें मजबूत बनाया। कुशा की मां रीता ने कहा, हालात मुश्किल थे, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा। कुशा ने कहा कि बीते दो साल उनके लिए वाकई बहुत मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब हालात सामान्य हैं। कुशा ने कहा कि लोग हमेशा बातें बनाते हैं, लेकिन जरूरी यही है कि बहुत परवाह न की जाए। कुशा की मां ने एक किस्सा सुनाया और कहा कि वे मंदिर जाया करती थीं। बेटी के तलाक के बाद लोगों की नजरों में न आएं और सवालों से बचने के लिए वे जल्दी मंदिर जाने लगीं। हालांकि, इस पर भी एक दिन मंदिर में ही एक महिला ने स्थिति के बारे में पूछताछ की, इससे रीता आहत हुईं। उन्होंने कहा कि उन्हें इतना दुख हुआ कि घर आकर वे खूब रोईं। तब कुशा के पिता ने उन्हें समझाया कि जिंदगी इसी तरह उतार–चढ़ावों से भरी है। इन बातों को दिल से न लगाएं। साथ ही रिश्तेदारों से भी कहा

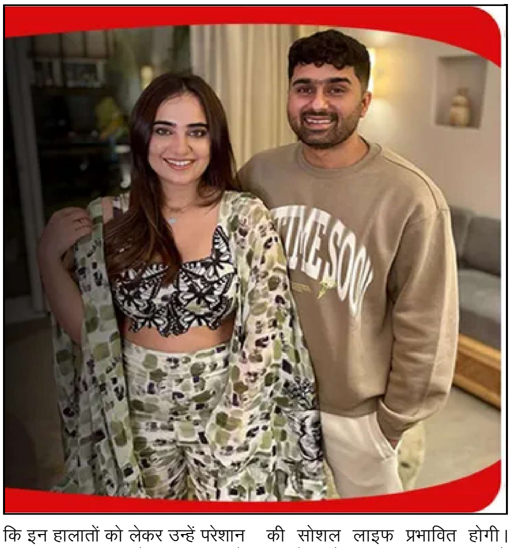

कि इन हालातों को लेकर उन्हें परेशान न किया जाए। इसके बाद किसी ने उस महिला से जाकर कहा, श्आप मंदिर में यही सब बातें करने जाते हो?श महिला को अपनी गलती का अहसास हुआ तो उसने माफी मांगी। अभिनेत्री की मां ने आगे कहा कि वक्त के साथ–साथ नेगेटिविटी भी फीकी पड़ गई और अब कुशा को उसके काम के लिए खूब तारीफें मिलती हैं। कुशा की मां ने कहा, श्अब कोई नकारात्मक अफवाह नहीं है और अब कुशा का पूरा ध्यान अपने काम और सक्सेस पर है। वहीं कुशा ने कहा कि तलाक के दौरान उन्हें सिर्फ इसी बात का डर था कि मां की सोशल लाइफ प्रभावित होगी। अभिनेत्री ने कहा, श्उस समय, मुझे चिंता थी कि मेरी मां का सामाजिक जीवन पीछे छूट जाएगा, इसलिए ऐसा नहीं करना चाहिएश।

कपिल शर्मा ने पत्नी गिन्नी के साथ शेयर की दिलकश तस्वीरें

डांस वीडियो में दिखा बेशुमार प्यार

एजेंसी

सभी के चहेते कॉमेडियन कपिल शर्मा इन दिनों द ग्रेट इंडियन कपिल शो को होस्ट कर रहे हैं। अपनी कमाल की कॉमिक टाइमिंग के साथ–साथ अपने मिलनसार व्यवहार के लिए मशहूर कपिल ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। 12 दिसंबर को कपिल और उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ ने

अपनी शादी की सालगिरह मनाई। इस अवसर पर कपिल ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो सहित कई तस्वीरें शेयर की हैं, जो दोनों के बीच के गहरे प्यार को दर्शाती हैं। पिछले कुछ सालों में कपिल ने इस बात का ध्यान रखा है कि वे अपनी पत्नी को ऐसे मौकों पर खास महसूस करवाएं। इस बार कॉमेडियन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक दिल को छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया है। कपिल ने एक प्यारा सा वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वे और गिन्नी खुशी के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके चेहरे की खुशी बता रही है कि वे एक–दूजे को कितना प्यार करते हैं। इस वीडियो के साथ कपिल ने खुद को दिल से शुभकामनाएं देते हुए लिखा, श्हमें शादी की सालगिरह मुबारक (लाल दिल वाली इमोजी)। अब इस पर प्रशंसक लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, आपको बहुत–बहुत शुभकामनाएं, एक और प्रशंसक ने लिखा, श्आप दोनों हमेशा यू हीं खुश रहें। कॉमेडियन ने एक बार खुलासा किया था कि गिन्नी उनकी जूनियर थीं और उन्हें उनसे प्यार हो गया था। हालांकि कपिल को अपनी भावनाओं का जवाब देने में बहुत समय लगा, लेकिन उनके रिश्ते ने उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। अब तक, यह जोड़ा एक बेटे और एक बेटी का माता–पिता है। कपिल शर्मा और गिन्नी चतरथ ने दिसंबर 2018 में शादी की थी। उन्होंने एक भव्य पंजाबी समारोह में शादी की, जिसने मीडिया का खूब ध्यान खींचा। वे पहली बार अपने कॉलेज के दिनों में मिले थे। उनकी प्रेम कहानी कपिल के मशहूर होने से बहुत पहले शुरू हुई थी। इस जोड़े ने पहले अपने बच्चे, बेटी अनायरा और बाद में बेटे त्रिशान का स्वागत किया। कपिल शर्मा ने हमेशा गिन्नी को अपना सबसे बड़ा सहारा और सबसे बड़ी चीयरलीडर बताया है।

माता-पिता के झगड़े के बीच जन्मी गुलजार की बेटी

पिता ने अकेले की परवरिश, कैसे पड़ा मेघना नाम?

एजेंसी

लेखक, निर्माता और निर्देशक मेघना गुलजार आज अपना 51वां जन्मदिन मना रही हैं। मेघना मशहूर कवि, पटकथा लेखक, फिल्म निर्देशक, नाटककार और शायर गुलजार की बेटी हैं। हालांकि, मेघना ने अपने काम के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। मेघना का जन्म 13 दिसंबर 1973 को गुलजार और अभिनेत्री राखी के घर हुआ। हालांकि, मेघना के जन्म के बाद उनके माता–पिता एक दूसरे से अलग हो गए। आइए आज उनके जन्मदिन के अवसर पर उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ अनसुनी बातों को जानते हैं मेघना के जन्म के बाद उनकी मां राखी ने उनका नाम एक नदी के नाम पर रखा। यह नदी बंग्लादेश में हैं, जिसे मेघना के नाम से जाना जाता है। चूंकी, राखी के पिता ईस्ट बंगाल के महेरपुर (अब बांग्लादेश) में जूते का बिजनेस करते थे इसलिए उनका नदी से एक लगाव रहा और उन्होंने अपनी बेटी का नाम नदी के नाम पर रखा। मेघना का जन्म उनके परिवार के एक मुश्किल दौर में हुआ। उनके जन्म के समय उनके माता–पिता में अनबन चल रही थी। मेघना ने इस दुनिया में जब कदम रखा, तब उनके पिता गुलजार 'आंधी' फिल्म का निर्देशन कर रहे थे और उनकी मां को यश चोपड़ा ने 'दाग' फिल्म का ऑफर दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। राखी का इस फिल्म के लिए हां कहना ही उनके और गुलजार के रिश्ते के टूटने की वजह बन गया। दरअसल, गुलजार नहीं चाहते थें कि मेघना के जन्म के बाद राखी कोई फिल्म करें। मेघना के जन्म के एक साल बाद ही राखी और गुलजार ने अपनी राहें जुदा कर ली। हालांकि, मेघना की परवरिश के लिए उन्होंने एक दूसरे से तलाक नहीं लिया। इस बीच मेघना ने अपने पिता का साथ कभी नहीं छोड़ा। वह गुलजार के ज्यादा करीब रहीं। गुलजार ने अकेले ही उनका पालन–पोषण किया। मेघना ने अपनी किताब 'बिकॉज ही इज' में इस बात का जिक्र किया है कि उनके पिता ने कभी भी उन्हें उनकी मां की कमी महसूस नहीं होने दी। मेघना ने कहा कि उनके पिता ने हर तरीके से उनके इर्द–गिर्द एक परिवार का निर्माण किया। अपना जीवन और अपना काम उन पर केंद्रित किया। सुबह स्कूल के लिए तैयार करने से लेकर शाम को अपना काम खत्म कर वापस स्कूल से लेने आने तक उन्होंने हर जिम्मेदारी निभाई। गुलजार अपनी बेटी मेघना को 'बोस्की' कहकर भी बुलाते हैं।

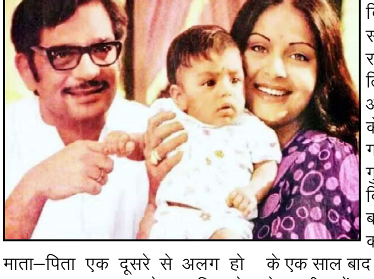

वॉयस ऑफ कैपिटल
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुवर्ण रेखा उपाध्याय द्वारा दक्षिता ऑफसेट, 105/128 फूलबाग खटियाना, हुसैनगंज, लखनऊ (उ0प्र0) से मुद्रित तथा 71 विज्ञान खण्ड, छोटा भरवारा, चिनहट, लखनऊ, 226028 उ0प्र0 से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक
सुवर्ण रेखा उपाध्याय
मोबाइल नं0
9415074053
RNI. UPHIN/2019/78747
Email
voiceofcapital24@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा